मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्ष: 8 अंक 298
सोमवार, 18 मई 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

गुजरात में अमित शाह ने किया टेक पार्क का उद्घाटन

गुजरात, 17 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज गुजरात के दौरे पर हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान वे गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के साथ नवनिर्मित 'मिलियन माइंड्स टेक पार्क' और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर कैंपस के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर उन्होंने गुजरात को आने वाले समय में देश का सबसे बड़ा सर्विस और डीप-टेक हब बनाने की दिशा में राज्य सरकार के संकल्प को दोहराया।

समारोह को संबोधित करते हुए अमित शाह ने गुजरात के औद्योगिक विकास की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वे काम के सिलसिले में देश के लगभग सभी राज्यों का दौरा करते हैं, लेकिन उद्योगों के विकास की जो रफ्तार गुजरात में देखने को मिलती है, वह सचमुच बेमिसाल है। गृह मंत्री ने कहा कि गुजरात ने मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में विकास को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है और अब हमारा लक्ष्य सर्विस सेक्टर में भी गुजरात को देश के सबसे आगे रहने वाले राज्यों में शामिल करना है।अमित शाह ने भविष्य की तकनीकों पर जोर देते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज एआई, डीप-टेक, डिजाइन इनोवेशन और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे आधुनिक क्षेत्रों में तेजी से दुनिया भर में अपनी पहचान बना रहा है। आने वाले 25 सालों में यही तकनीकें पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चलाएंगी और भारत इसके लिए पूरी तरह तैयार हो चुका है। उन्होंने आगे कहा कि भारत के युवाओं का हुनर, तकनीकी क्षमता और नया सोचने का अंदाज आज पूरी दुनिया को अपनी तरफ खींच रहा है। उन्हें पूरा भरोसा है कि गुजरात आने वाले सालों में सिर्फ फैक्ट्रियों का ही नहीं, बल्कि सर्विस और नॉलेज इकोनॉमी का भी सबसे बड़ा केंद्र बनेगा। अहमदाबाद में स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन के एक कार्यक्रम में शामिल होकर गृह मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर परिसर में इंक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर की शुरूआत की। उन्होंने इस केंद्र को नए आइडिया पर आधारित अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि ठक्क सिर्फ पढ़ाई-लिखाई का एक कॉलेज नहीं है, बल्कि यह युवाओं की रचनात्मकता, नई सोच और व्यापार को आपस में जोड़ने वाला एक मजबूत मंच है, जिसने देश को डिजाइन की दुनिया में नई दिशा दी है। गृह मंत्री ने याद दिलाया कि जब एनआईडी की स्थापना की गई थी, तब इसके उद्देश्यों को बहुत दूर की सोच के साथ तैयार किया गया था। आज वही सोच भारत को नए स्टार्टअप, बेहतरीन डिजाइन और टेक्नोलॉजी के रास्ते पर आगे ले जा रही है। उन्होंने अंत में कहा कि हमारे देश के युवाओं की नई सोच और तकनीक पर आधारित व्यापार ही आने वाले समय में भारत की असली आर्थिक ताकत बनने जा रहे हैं।

राजधानी एक्सप्रेस के एसी कोच में लगी आग, सभी यात्री सुरक्षित

रतलाम, 17 मई। आज सुबह मध्य प्रदेश के रतलाम में दिल्ली जाने वाली राजधानी एक्सप्रेस के एक एसी कोच में भीषण आग लग गई। यह घटना ट्रेन नंबर 12431 तिरुवनंतपुरम-हजरत निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस के बी-1 कोच में हुई, जो ट्रेन के पिछले हिस्से के पास था। आग लगने की सूचना लूणी रिछा और विक्रमगढ़ आलोट स्टेशनों के बीच मिली।

राहत की बात यह है कि इस हादसे में किसी भी यात्री या रेलवे कर्मचारी को कोई चोट नहीं आई है। जैसे ही आग की खबर मिली, रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत सूझबूझ दिखाई और प्रभावित कोच के सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से ट्रेन से नीचे उतार लिया।

घटना के तुरंत बाद ओएचई यानी बिजली की सप्लाई काट दी गई। रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। आग को फैलने से रोकने के लिए प्रभावित बी-1 कोच को ट्रेन के बाकी हिस्से से अलग कर दिया गया। इस घटना के कारण ट्रेन नंबर 12955 को महिदपुर रोड स्टेशन पर रोक दिया गया। पश्चिम मध्य रेलवे के कोटा मंडल के अनुसार, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

सीनियर डिविजनल कमर्शियल मैनेजर सौरभ जैन ने बताया, आज सुबह करीब 5.15 बजे तिरुवनंतपुरम से निजामुद्दीन जा रही राजधानी एक्सप्रेस के पिछले हिस्से और बी-1 कोच में आग लगने की सूचना मिली। कर्मचारियों ने तुरंत तत्परता दिखाते हुए सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला और कोच को ट्रेन से अलग किया। फायर ब्रिगेड, राज्य प्रशासन और रेलवे के अधिकारी मौके पर काम कर रहे हैं। तीन फायर ब्रिगेड की गाड़ियां और एम्बुलेंस वहां मौजूद हैं और आग पर लगभग पूरी तरह काबू पा लिया गया है। सौरभ जैन ने आगे बताया कि कोटा से अतिरिक्त कोच मंगाए जा रहे हैं। ट्रेन के बाकी हिस्से को 30 से 45 मिनट के भीतर आगे के लिए रवाना कर दिया जाएगा, जिसके बाद रेलवे ट्रैक को पूरी तरह ठीक करने का काम शुरू होगा। इस हादसे की वजह से दोनों तरफ से आने-जाने वाली करीब 5 से 6 ट्रेनों का संचालन प्रभावित हुआ है। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे किसी भी जानकारी के लिए रेलवे की वेबसाइट देखें या हेल्पलाइन नंबर 139 पर संपर्क करें।

आंध्र प्रदेश में चंद्रबाबू नायडू का बड़ा ऐलान, चौथा बच्चा होने पर सरकार देगी 40,000 की मदद

आंध्र प्रदेश, 17 मई। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को राज्य के लोगों के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में तीसरा बच्चा पैदा होने पर परिवार को 30,000 रुपये और चौथा बच्चा होने पर 40,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। नायडू सरकार ने यह कदम राज्य में लगातार घटती जनसंख्या की दर को रोकने के लिए उठाया है।श्रीकाकुलम जिले के नरसन्नापेटा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने यह फैसला ले लिया है। इस योजना के बारे में पूरी और विस्तृत जानकारी एक महीने के भीतर जनता के सामने रख दी जाएगी।

'स्वर्ण आंध्र-स्वच्छ आंध्र स्वच्छता कार्यक्रम' से अलग एक दूसरे कार्यक्रम में चंद्रबाबू नायडू ने जनता से संवाद करते हुए कहा, श्मैंने एक नया निर्णय लिया है। हम तीसरे बच्चे के जन्म के तुरंत बाद 30,000 रुपये और चौथे बच्चे के जन्म पर 40,000 रुपये देंगे। क्या यह सही निर्णय नहीं है? यह ध्यान देने वाली बात है कि मुख्यमंत्री नायडू ने पहले जनसंख्या नियंत्रण के उपायों का समर्थन किया था, लेकिन अब उनका मानना है कि समय आ गया है जब समाज को जन्म दर बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

तीसरे और चौथे बच्चे पर इनाम की यह घोषणा उनके एक पुराने प्रस्ताव के बाद आई है। इससे पहले 5 मार्च को मुख्यमंत्री ने विधानसभा में बताया था कि राज्य सरकार दूसरे बच्चे के जन्म पर पति-पत्नी को 25,000 रुपये की मदद देने पर विचार कर रही है।मुख्यमंत्री नायडू ने चिंता जताते हुए कहा कि आजकल कुछ अमीर परिवार सिर्फ एक ही बच्चा रखना पसंद कर रहे हैं, जबकि कुछ लोग दूसरा बच्चा तभी चाहते हैं जब उनकी पहली संतान लड़का न हो। उन्होंने चेतावनी दी कि इस सोच के कारण राज्य की जनसंख्या वृद्धि दर तेजी से घट रही है। उन्होंने आबादी को स्थिर रखने के लिए 'कुल प्रजनन दर' को 2.1 पर लाने की जरूरत बताई। नायडू ने समझाया कि आबादी तभी संतुलित और स्थिर रहती है, जब औसतन प्रति महिला 2.1 बच्चे हों।

शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का राहुल गांधी ने इस्तीफा मांग

नई दिल्ली, 17 मई। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं में शामिल नीट यूजी 2026 को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। पेपर लीक मामले में अब राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो गई है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करते हुए केंद्र सरकार पर छात्रों के भविष्य से खिलवाड़ करने का आरोप लगाया है।

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि नीट 2024 और नीट 2026 दोनों मामलों में एक जैसी स्थिति देखने को मिली है। उन्होंने लिखा कि पहले पेपर लीक होता है, फिर जांच एजेंसी सक्रिय होती है, समिति बनाई जाती है, लेकिन जवाबदेही तय नहीं होती है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करते हुए पूछा कि आखिर बार-बार परीक्षा पत्र लीक क्यों हो रहे हैं और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है।

बता दें कि नीट यूजी परीक्षा हर साल देशभर के लाखों छात्र देते हैं और इसी परीक्षा के जरिए मेडिकल तथा डेंटल पाठ्यक्रमों में प्रवेश मिलता है। ऐसे में पेपर लीक की घटनाओं ने छात्रों और अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी है।

मौजूद जानकारी के अनुसार, केंद्रीय जांच ब्यूरो यानी सीबीआई इस मामले की जांच कर रही है। जांच एजेंसियों का दावा है कि प्रश्न पत्र परीक्षा से पहले कुछ लोगों तक पहुंचाया गया था। इस मामले में अब तक पांच राज्यों से नौ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जांच के दौरान कई दस्तावेज, मोबाइल फोन, बैंक रिकॉर्ड और लैपटॉप भी जब्त किए गए हैं।

जांच एजेंसियों ने सेवानिवृत्त रसायन विज्ञान शिक्षक पीवी कुलकर्णी और पुणे की वनस्पति विज्ञान शिक्षिका मनीषा गुरुनाथ मंधारे को भी गिरफ्तार किया है। आरोप है कि इन्होंने परीक्षा से पहले चुनिंदा छात्रों तक प्रश्न और उत्तर पहुंचाए थे। इसके बदले मोटी रकम लिए जाने की बात भी सामने आई है।

गौरतलब है कि पिछले साल भी नीट 2024 परीक्षा को लेकर बड़ा विवाद हुआ था। उस समय कई छात्रों के असामान्य अंक और ग्रेस मार्क्स को लेकर सवाल उठे थे। बिहार और झारखंड में कथित पेपर लीक गिरोह का खुलासा हुआ था। हालांकि बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने परीक्षा रद्द करने से इनकार कर दिया था।

राहुल गांधी ने इस पूरे मामले को भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े कथित लोगों का पैसा कमाने वाला गठजोड़ह्व बताया है। उन्होंने दावा किया कि परीक्षा से दो दिन पहले प्रश्न पत्र व्हाट्सऐप पर प्रसारित किया गया था।

उधर, केंद्र सरकार की ओर से अभी तक इस मामले पर विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। हालांकि सीबीआई जांच जारी है और आने वाले दिनों में और खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है। देशभर के लाखों छात्र अब इस मामले में पारदर्शी कार्रवाई और सख्त जवाबदेही की मांग कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में बढ़ाई गई जजों की संख्या, अब 34 की जगह 38 जज होंगे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 34 से बढ़ाकर 38 करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के निर्णय को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने रविवार को सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने 'उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अध्यादेश, 2026' जारी करने को मंजूरी प्रदान कर दी है। इससे उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 (भारत के मुख्य न्यायाधीश को छोड़कर) हो जायेगी। इस अध्यादेश से 'उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) अधिनियम, 1956' में संशोधन किया गया है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने गत पांच मई को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी थी।

मॉस्को में ड्रोन हमले में भारतीय कर्मचारी की मौत, 3 अन्य घायल

मॉस्को, 17 मई। रूस के मॉस्को क्षेत्र में यूक्रेनी सशस्त्र बलों द्वारा किए गए एक बड़े ड्रोन हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई है और तीन अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मॉस्को स्थित भारतीय दूतावास ने रविवार को इस दुखद घटना की आधिकारिक पुष्टि की। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा, 'मॉस्को क्षेत्र में आज तड़के हुए एक ड्रोन हमले में एक भारतीय श्रमिक की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हुए हैं। दूतावास के अधिकारियों ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया और अस्पताल जाकर घायल श्रमिकों से मुलाकात की है।

दूतावास ने मृतक के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है और कहा है कि पीड़ितों को हर संभव आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं। राजनयिक इस मामले में स्थानीय रूसी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। यह घटना ऐसे समय में हुई है जब यूक्रेन ने युद्ध की शुरूआत के बाद से रूसी क्षेत्र पर अपने अब तक के सबसे बड़े ड्रोन हमलों में से एक को अंजाम दिया है। शनिवार और रविवार की दरमियानी रात हुए इस समन्वित हमले में मॉस्को सहित कई अन्य क्षेत्रों को निशाना बनाया गया।

रूस के रक्षा मंत्रालय ने दावा किया है कि उनकी वायु रक्षा प्रणालियों ने एक दर्जन से अधिक क्षेत्रों में 556 यूक्रेनी ड्रोनों को हवा में ही रोक दिया या मार गिराया। वहीं, मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन ने बताया कि पिछले 24 घंटों के भीतर मॉस्को और उसके आसपास के इलाकों को निशाना बनाकर आ रहे 120 से अधिक ड्रोनों को नष्ट कर दिया गया। रूसी सरकारी मीडिया ने इस हमले को पिछले एक साल से अधिक समय में मॉस्को क्षेत्र पर हुआ सबसे बड़ा हमला बताया है।

रविवार सुबह मॉस्को क्षेत्र के गवर्नर एंड्रे वोरोब्योव ने बताया कि राजधानी क्षेत्र पर यूक्रेनी ड्रोनों के हमले को नाकाम कर दिया गया है, लेकिन इसके मलबे से जान-माल का नुकसान हुआ है।

नियंत्रित अनिश्चितता के दौर में अमेरिका और चीन

– महेन्द्र तिवारी

वैश्विक राजनीति के वर्तमान दौर में अमेरिका और चीन के बीच बीजिंग में आयोजित हुई उच्च स्तरीय बैठक को एक अत्यंत महत्वपूर्ण और संवेदनशील घटनाक्रम के रूप में देखा जा रहा है। वर्तमान समय में संपूर्ण विश्व एक जटिल और अभूतपूर्व दौर से गुजर रहा है, जहां क्षेत्रीय संघर्ष, ऊर्जा क्षेत्र की अस्थिरता, आपूर्ति शृंखला की अनिश्चितताएं और तकनीकी क्षेत्र में वर्चस्व की होड़ ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर भारी दबाव पैदा कर दिया है। ऐसी परिस्थितियों में दुनिया की 2 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के शीर्ष नेताओं का एक मंच पर आना और संवाद की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना अपने आप में एक बड़ा संदेश देता है। हालांकि, यदि इस बैठक के वास्तविक और व्यावहारिक परिणामों का मूल्यांकन किया जाए, तो वे जनसाधारण और विश्लेषकों की अपेक्षाओं से काफी सीमित रहे हैं। दोनों पक्षों ने वैश्विक समुदाय को यह दिखाने का पूरा प्रयास किया कि वे सीधे सैन्य या राजनीतिक टकराव के बजाय संबंधों में स्थिरता और एक नियंत्रित प्रतिस्पर्धा के ढांचे के भीतर काम करना चाहते हैं। इस वार्ता के दौरान बातचीत का लहजा भले ही कूटनीतिक शिष्टाचार से परिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण रहा हो, लेकिन जब बात बुनियादी रणनीतिक मतभेदों और दीर्घकालिक विवादों पर ठोस सहमति बनाने की आई, तो वहां कोई बड़ा बदलाव या ऐतिहासिक मोड़ देखने को नहीं मिला। यही कारण है कि इस पूरी कूटनीतिक कवायद को एक बड़े बदलाव की शुरूआत मानने के बजाय वैश्विक संतुलन को बनाए रखने का एक अस्थायी प्रयास माना जा रहा है।

इस पूरी वार्ता के केंद्र में दोनों महाशक्तियों के बीच के आर्थिक और व्यापारिक संबंध रहे, जो पिछले कई वर्षों से गंभीर तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। दोनों देशों के नेतृत्व ने इस यथार्थ को पूरी गंभीरता से स्वीकार किया कि वर्तमान वैश्विक आर्थिक ढांचे की स्थिरता इन दोनों के आपसी संबंधों पर टिकी है। अमेरिका और चीन जैसी 2 विशाल आर्थिक शक्तियों के बीच व्यापारिक संबंधों का पूरी तरह से टूट जाना न तो इन दोनों देशों के हित में होगा और न ही शेष विश्व इसके आर्थिक झटके को झेलने में सक्षम है। इसी समझ के आधार पर बैठक के दौरान कुछ सीमित आर्थिक संकेतों और समझौतों पर चर्चा आगे बढ़ी, जिनमें मुख्य रूप से कृषि उत्पादों की बड़े पैमाने पर खरीद, ऊर्जा व्यापार में सहयोग की संभावनाएं और विमानन उद्योग से जुड़े कुछ संभावित सौदे शामिल रहे। कुछ कूटनीतिक विवरणों से यह भी संकेत मिले कि चीन आने वाले समय में अमेरिकी कृषि उत्पादों और नागरिक उड्डयन क्षेत्र को 1 बड़ा क्रय प्रस्ताव देने पर विचार कर सकता है। लेकिन इन तमाम सकारात्मक चचाओं के बावजूद यह ध्यान रखना आवश्यक है कि ये सभी कदम अभी बेहद शुरूआती और प्रारंभिक स्तर पर हैं। इन्हें किसी औपचारिक, व्यापक या दीर्घकालिक व्यापार समझौते का रूप नहीं दिया जा सका है, जो दोनों देशों के व्यापारिक असंतुलन को स्थाई रूप से दूर कर सके।

व्यापारिक स्तर पर सहयोग की इस धीमी सुगबुगाहट के समांतर सबसे जटिल और विवादित विषय सीमा शुल्क और तकनीकी प्रतिबंधों का बना रहा। दोनों देशों के बीच लंबे समय से चल रहे व्यापार युद्ध और एक-दूसरे के उत्पादों पर लगाए गए भारी करों को कम करने की दिशा में इस बैठक से कोई ठोस और स्पष्ट कार्ययोजना सामने नहीं आ सकी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस उच्च स्तरीय बैठक का प्राथमिक उद्देश्य किसी नए या आदर्श वैश्विक व्यापार ढांचे की स्थापना करना था ही नहीं, बल्कि इसका तात्कालिक लक्ष्य मौजूदा आर्थिक तनाव को एक सीमा से अधिक बढ़ने से रोकना था। इस दृष्टिकोण से विचार करने पर यह स्पष्ट होता है कि यह वार्ता कूटनीतिक मोर्चे पर एक प्रकार के अस्थायी विराम की तरह काम कर रही है, जिसमें दोनों पक्ष अपने-अपने राष्ट्रीय और आर्थिक हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सीधे आर्थिक महायुद्ध से बचने का मार्ग तलाश रहे हैं।

इस पूरी बीजिंग वार्ता का सबसे संवेदनशील, जटिल और रणनीतिक रूप से खतरनाक विषय ताइवान का मुद्दा रहा। चीन ताइवान को अपनी मुख्य भूमि का अटूट हिस्सा और अपने संप्रभु क्षेत्र का एक अनिवार्य अंग मानता है, जबकि इसके विपरीत अमेरिका ताइवान के साथ मजबूत रणनीतिक, कूटनीतिक और रक्षा संबंध बनाए हुए है। इस मुद्दे पर चीनी पक्ष की ओर से अत्यंत कड़े और स्पष्ट शब्दों में यह संदेश दिया गया कि यदि ताइवान को लेकर स्थिति में कोई भी नकारात्मक बदलाव हुआ या अंतरराष्ट्रीय शक्तियों द्वारा स्थापित सीमाओं का उल्लंघन किया गया, तो दोनों महाशक्तियों के संबंध एक अत्यंत गंभीर संकट में फंस सकते हैं। दूसरी ओर, अमेरिकी कूटनीति ने भी अपनी पारंपरिक नीति में किसी बड़े या क्रांतिकारी बदलाव का संकेत नहीं दिया। अमेरिका ने स्थिति को जानबूझकर रणनीतिक रूप से खुला रखने और अपनी पुरानी स्थिति पर अडिग रहने का दृष्टिकोण अपनाया। यह परस्पर विरोधी रुख साफ तौर पर यह दशार्ता है कि ताइवान का मुद्दा आने वाले समय में भी संपूर्ण एशिया प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा का सबसे बड़ा संकट बना रहेगा और निकट भविष्य में इसका कोई शांतिपूर्ण या सर्वमान्य समाधान निकलने की संभावना बेहद कम है।

आधुनिक युग की महाशक्ति बनने की दौड़ में तकनीकी क्षेत्र का नियंत्रण एक निर्णायक कारक साबित हो रहा है, और इस बैठक में भी तकनीकी प्रतिस्पर्धा का तनाव पूरी तरह उभरकर सामने आया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अर्धचालक उद्योग, उन्नत चिप निर्माण तकनीक और वैश्विक आपूर्ति शृंखला पर नियंत्रण जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण विषयों पर दोनों पक्षों के बीच गहन चर्चा तो हुई, लेकिन किसी भी विषय पर कोई ठोस, लिखित या दीर्घकालिक समझौता नहीं हो सका। वैश्विक तकनीकी बाजार और वैश्विक अर्थव्यवस्था पहले से ही इन दोनों शक्तिशाली देशों की प्रतिबंधात्मक नीतियों, निर्यात नियंत्रणों और सुरक्षा कानूनों से गहराई से प्रभावित हैं। इस बैठक के परिणामों से यह साफ है कि आने वाले समय में उन्नत तकनीकों के विकास और उनके बाजार पर कब्जे को लेकर यह होड़ थमने वाली नहीं है, बल्कि इसके और अधिक तीव्र होने की पूरी आशंका है। इस बीजिंग बैठक का एक और महत्वपूर्ण आयाम यह है कि इसे केवल 2 देशों के द्विपक्षीय संबंधों के चश्मे से नहीं देखा जा सकता, बल्कि इसके गहरे वैश्विक संदर्भ और निहितार्थ हैं। वर्तमान में कच्चे तेल के बाजार और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों का प्रतिकूल प्रभाव पहले से ही दिखाई दे रहा है। ऐसे संवेदनशील समय में यदि अमेरिका और चीन के बीच का तनाव किसी भी स्तर पर अनियंत्रित होता है, तो वह वैश्विक स्तर पर महंगाई, मुद्रास्फीति और आर्थिक मंदी को अत्यधिक बढ़ा सकता है। यही कारण है कि दोनों देशों के जिम्मेदार नेताओं ने दुनिया को यह आश्वस्त करने का प्रयास किया कि वे एक विनाशकारी संघर्ष के बजाय एक नियम-आधारित और संतुलित प्रतिस्पर्धा को प्राथमिकता देंगे।

हालांकि इस संपूर्ण कूटनीतिक कवायद के पीछे का एक कड़वा यथार्थ यह भी है कि दोनों महाशक्तियों के बीच आपसी विश्वास का स्तर ऐतिहासिक रूप से सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुका है। गहरी आर्थिक अंतर्निर्भरता के बावजूद रणनीतिक, वैचारिक और भू-राजनीतिक मुद्दों पर मतभेद इतने गहरे और मौलिक हैं कि किसी भी बड़े या स्थाई समझौते तक पहुंचना व्यावहारिक रूप से असंभव प्रतीत होता है। यही कारण है कि कूटनीतिक मामलों के जानकार इस बैठक को किसी स्थाई शांति समझौते के रूप में नहीं, बल्कि केवल एक अस्थाई स्थिरता लाने के प्रयास के रूप में देखते हैं। वैश्विक राजनीति में यह स्थिति एक नई प्रवृत्ति को रेखांकित करती है, जहां सहयोग और टकराव दोनों समानांतर रूप से चलते हैं और कोई भी पक्ष अपने मूलभूत हितों से पीछे हटने को तैयार नहीं होता।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी वास्तविकता यह है कि अब वैश्विक शक्ति का संतुलन एकध्रुवीय नहीं रह गया है। पिछले 1 या 2 दशकों में चीन का आर्थिक, सैन्य और रणनीतिक प्रभाव अभूतपूर्व गति से बढ़ा है, जबकि अमेरिका अभी भी वैश्विक वित्तीय प्रणाली और पारंपरिक सैन्य शक्ति के मामले में दुनिया में अग्रणी स्थान पर बना हुआ है। इस कारण दोनों देशों के बीच की यह प्रतिस्पर्धा केवल व्यापारिक मुनाफे तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक गहरी वैचारिक और रणनीतिक वर्चस्व की लड़ाई है। चूंकि इस समय दोनों में से कोई भी पक्ष दूसरे पर एकतरफा या निर्णायक बढ़त बनाने की स्थिति में नहीं है, इसलिए इस प्रकार की उच्च स्तरीय वाताएं अक्सर बेहद सीमित और प्रतीकात्मक परिणामों पर ही समाप्त होती हैं। अंततः इस बैठक का निष्कर्ष यही निकाला जा सकता है कि यह किसी नए युग का सूत्रपात नहीं है, बल्कि यह मौजूदा तनावपूर्ण संतुलन को सावधानीपूर्वक बनाए रखने का एक गंभीर प्रयास है ताकि दुनिया को किसी बड़े संकट से बचाया जा सके।

मोदी की विदेश यात्रा से भारत को क्या फायदा होता है ?

अशोक भाटिया

▭ अशोक भाटिया , वसई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश यात्राओं से भारत को रणनीतिक और आर्थिक मोर्चे पर सीधा फायदा होता है। इन दौरों से अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी आदान-प्रदान और रक्षा सहयोग को बढ़ावा मिलता है। इसके अलावा, विदेशी निवेश आने से भारत में रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा व हितों को मजबूती मिलती है।इन यात्राओं के दौरान कई अंतरराष्ट्रीय मुक्त व्यापार समझौतों और निवेश संधियों पर बातचीत होती है। इससे भारतीय उत्पादों के लिए विदेशी बाजार खुलते हैं और देश में भारी मात्रा में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) आता है।खाड़ी देशों (जैसे यूएई) के साथ संबंधों को मजबूत करके भारत अपनी बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए कच्चे तेल, एलपीजी की स्थिर आपूर्ति और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडारण सुनिश्चित करता है।

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने पांच देशों की विदेश यात्रा के तीसरे चरण में स्वीडन पहुंचें। तो हम उनकी स्वीडन यात्रा की बात कतरे है । इस समय प्रधानमंत्री मोदी स्वीडन के शहर गोथेनबर्ग की आधिकारिक यात्रा कर रहे है । यह प्रधानमंत्री मोदी की दूसरी स्वीडन यात्रा होगी। इससे पहले उन्होंने वर्ष 2018 में पहले भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए स्वीडन का दौरा किया था। इस बार की यात्रा को भारत और स्वीडन के बीच बढ़ते रणनीतिक, तकनीकी और आर्थिक सहयोग के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। खास तौर पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), ग्रीन टेक्नोलॉजी, रक्षा उत्पादन और सप्लाई चेन जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच साझेदारी को नई गति मिलने की उम्मीद है।

अपनी इस यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी स्वीडन के प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय बैठक कर रहे है । दोनों नेताओं के बीच व्यापार और निवेश, ग्रीन ट्रांजिशन, उभरती तकनीक, अक् रक्षा सहयोग, अंतरिक्ष, जलवायु परिवर्तन और लोगों के बीच संबंधों को मजबूत बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। भारत और स्वीडन अब एक-दूसरे को टेक्नोलॉजी और इनोवेशन के क्षेत्र में पूरक साझेदार के रूप में देख रहे हैं। स्वीडन दुनिया की सबसे इनोवेटिव अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और भारत तेजी से डिजिटल तथा तकनीकी महाशक्ति के रूप में उभर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी यूरोपियन राउंडटेबल फॉर इंडस्ट्री कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हिस्सा लेंगे। इस मंच पर यूरोपीय संघ, EFTA और ब्रिटेन के कई बड़े उद्योगपति मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को प्रधानमंत्री मोदी और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उसुर्ला वॉन डेर लेयेन संयुक्त रूप से संबोधित करेंगी।माना जा रहा है कि इस दौरान भारत में निवेश, सप्लाई चेन विविधीकरण और हाई-टेक सेक्टर में साझेदारी को लेकर कई अहम चचाएं हो सकती हैं।

भारत और स्वीडन के आर्थिक संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। वर्ष 2025 में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार बढ़कर 7.75 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। भारत में 280 से अधिक स्वीडिश कंपनियां सक्रिय हैं, जबकि स्वीडन में 75 से ज्यादा भारतीय कंपनियां काम कर रही हैं। दोनों देश अब ग्रीन इंडस्ट्री, डिजिटल इनोवेशन और एडवांस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं।

भारत और स्वीडन ने जलवायु परिवर्तन और हरित औद्योगिक परिवर्तन के क्षेत्र में भी मजबूत साझेदारी विकसित की है। दोनों देशों ने 2019 में संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन के दौरान वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के साथ मिलकर LeadIT पहल शुरू की थी। इसके बाद 2023 में दुबई में आयोजित COP28 सम्मेलन में LeadIT 2/0 लॉन्च किया गया।

इसी साल फरवरी में एआई इम्पैक्ट समिट (AI Impact Summit) के दौरान भारत और स्वीडन ने स्वीडन-इंडिया टेक्नोलॉजी एंड एआई कॉरिडोर स्थापित करने के लिए समझौता किया था। इस पहल का उद्देश्य अक् डिजिटल टेक्नोलॉजी और उभरती तकनीकों में सहयोग को बढ़ाना है।

रक्षा क्षेत्र में भी भारत और स्वीडन के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। स्वीडिश रक्षा कंपनी SÔÔb ने हरियाणा में कार्ल-गुस्ताफ हथियार प्रणाली की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित की है। यह स्वीडन के बाहर रुं की पहली ऐसी फैक्ट्री है और भारत में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (FDI) के तहत स्थापित पहला रक्षा उत्पादन संयंत्र भी माना जा रहा है।

स्वीडन में रहने वाला 90 हजार से अधिक भारतीय समुदाय दोनों देशों के संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। शिक्षा, टेक्नोलॉजी, रिसर्च और बिजनेस के क्षेत्र में भारतीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी दोनों देशों के रिश्तों को नई मजबूती दे रही है।प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा भारत-स्वीडन संबंधों को नई दिशा देने के साथ-साथ व्यापार, तकनीक, रक्षा और प्रतिभा आधारित सहयोग को और मजबूत करने वाली मानी जा रही है।

गौरतलब है कि साल 2014 में सत्ता की बागडोर संभालने वाले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने पांच साल के कार्यकाल में कुल 92 विदेशी दौरे किए, इस दौरान वो कुल 57 देशों में गए। प्रधानमंत्री मोदी के इन दौरों की एक खास बात यह भी रही कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तुलना में प्रधानमंत्री मोदी के ये दौरे तीन गुना अधिक हैं। मोदी के इन दौरों को ध्यान से देखा जाए तो एक बात यह भी साफ होती है कि इनमें से कई दौरों पर हुए समझौते से भारत को कुछ खास हासिल नहीं हुआ है। करीब एक तिहाई दौरे तो किसी प्रकार के समिट को लेकर रहे। लेकिन, कई दौरे ऐसे रहें जब विदेशी जमीन पर नई दिल्ली की शान भी बढ़ी है। इस दौरान वो कुछ देशों के प्रतिनीधियों से एक से भी अधिक बार मिले। इनमें जापान के शिंजो आबे, रूस के व्लादिमीर पुतिन रहे, जिनके देश भारत को औद्योगिक निवेश और रक्षा तकनीक को लेकर मदद करता है। इन दौरों पर उन्होंने उभरते देशों की श्रेणी में भारत की शक्ति को वैश्विक स्तर पर दिखाया।

बीते पांच सालों के दौरान भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के तौर पर 193 अरब डॉलर आया है। वढअ सरकार के अंतिम पांच साल की तुलना में यह 50 फीसदी से भी अधिक रकम है। इसी समय, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार मुहैया कराने के कई प्रयास किए गए, लेकिन इसके बावजूद एफडीआई से केवल भारत के सर्विस और पूंजी आधारित उद्योगों को ही फायदा मिला। श्रमिक वर्ग को FDI से कोई फायदा मिलते नहीं दिखाई दिया। अपने व्यापारिक प्रतिद्वंदी चीन से भारत निवेश प्रतिबद्धता हासिल करने में कामयाब तो रहा, लेकिन अभी तक इनकी शुरूआत नहीं हो सकी है। पिछले चार सालों में चीन से भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के तौर पर 1।5 अरब डॉलर ही आ सके हैं। बता दें कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने साल 2014 से अगले पांच सालों में 20 अरब डॉलर की एफडीआई की बात की थी। मोदी सरकार में ही भारत ने पहली बार अमरीका से कच्चा तेल और एलपीजी कार्गो खरीदना शुरू किया था। बीते पांच सालों में, भारत के लिए तेल को लेकर रूस और खाड़ी देशों से भी कई समझौते किए। प्रधानमंत्री मोदी की वजह से ही दुनिया की सबसे बड़ी तेल उत्पादक कंपनी सउदी अरामको भारत की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरी में निवेश के लिए तैयार हुई। यूएई अब भारत के ऑयल रिजर्व बनाने में भी मदद करेगा। इससे वित्तीय स्तर पर भारत को मजबूती मिलेगी। कुल मिलाकर देखें तो भारत को उर्जा के स्तर पर सुरक्षित करने के लिए पीए मोदी खाड़ी देशों से बेहतर रिश्ते बनाने में कामयाब रहे हैं।

इन पांच सालों में प्रधानमंत्री मोदी कई देशों को भारत में रणनीतिक प्रोजेक्ट के लिए तैयार किए हैं। किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री द्रवारा इजरायल के दौर पर प्रधानमंत्री मोदी ने तेल अवीव से एडवांस रक्षा से लेकर पानी के कई तकनीक को लाने में कामयाब रहे हैं। जापान के साथ, भारत बुलेट ट्रेन बना रहा है। हालांकि, इसकी धीमी गति और भूमि अधिग्रहण को लेकर उनकी काफी आलोचना भी हुई है। साल 2016 में, फ्रांस से 36 रफाल लड़ाके विमान खरीदने का सौदा किया है। इसपर भी विपक्षी दलों ने मजबूती से सरकार को घेरने का प्रयास किया है। अपने दौरे से प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया में भारत की साख को बढ़ाने के भी कई प्रयास किए हैं। उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में भारत निवेश के लिए एक बेहतर जगत बनता जा रहा है। उन्होंने डावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम को भी संबोधित किया। पिछले साल वुहान शहर में मोदी ने शी जिनपिंग से अनौपचारिक मुलाकात भी की। इसके बाद हिमालय क्षेत्र में दोनों देशों की सेनाओं की भूराजनीतिक तनाव कम करने में भी मदद मिली है। दुःख इस बात का है कि इन सभी दौरों के बीच पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान का दौरा भारत के लिए किसी भी मायने में सफल नहीं रहा।

नीट परीक्षा रद्द होने तथा नई तिथि घोषित होने से विद्यार्थियों पर पड़ने वाली परेशानियाँ

नीट (नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट) भारत की सबसे महत्वपूर्ण और प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं में से एक है। इस परीक्षा के माध्यम से देशभर के लाखों विद्यार्थी मेडिकल क्षेत्र में प्रवेश पाने का सपना पूरा करने का प्रयास करते हैं। डॉक्टर बनने का सपना देखने वाले छात्र कई वर्षों तक कठिन परिश्रम, निरंतर अध्ययन और मानसिक तैयारी के साथ इस परीक्षा की तैयारी करते हैं। विद्यार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता भी इस परीक्षा को लेकर बहुत आशावान रहते हैं। ऐसे में यदि किसी कारणवश नीट परीक्षा रद्द हो जाती है और पुनः नई तिथि घोषित की जाती है, तो इसका सबसे गहरा प्रभाव विद्यार्थियों के जीवन पर पड़ता है। यह स्थिति उनके मानसिक, शैक्षणिक, आर्थिक और सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है।

सबसे पहले परीक्षा रद्द होने का सीधा असर विद्यार्थियों की मानसिक स्थिति पर पड़ता है। छात्र कई महीनों या वर्षों से लगातार पढ़ाई करते हैं और परीक्षा के दिन तक अत्यधिक दबाव में रहते हैं। परीक्षा से पहले विद्यार्थियों में स्वाभाविक रूप से तनाव और घबराहट होती है, लेकिन जब वे परीक्षा देकर या परीक्षा के लिए पूरी तरह तैयार होकर बैठते हैं, तब उन्हें यह उम्मीद होती है कि उनकी मेहनत का परिणाम जल्द सामने आएगा। यदि अचानक परीक्षा रद्द होने की सूचना मिलती है, तो विद्यार्थियों को गहरा मानसिक आघात पहुँचता है। वे निराशा, चिंता और असमंजस की स्थिति में आ जाते हैं। कई विद्यार्थियों का आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है क्योंकि उन्हें लगता है कि उनकी मेहनत और समय व्यर्थ चला गया।

इसके अलावा, नई तिथि घोषित होने से विद्यार्थियों की अध्ययन योजना पूरी तरह बदल जाती है। अधिकांश छात्र अपनी पढ़ाई एक निश्चित समय-सारिणी के अनुसार करते हैं। वे विषयों का पुनरावृत्ति कार्यक्रम बनाते हैं और परीक्षा के अनुसार अपनी दिनचर्या निर्धारित करते हैं। परीक्षा स्थगित या रद्द होने के बाद उन्हें अपनी पूरी योजना फिर से तैयार करनी पड़ती है। लंबे समय तक एक ही गति और उत्साह के साथ पढ़ाई करना आसान नहीं होता। इससे शारीरिक और मानसिक थकान बढ़ने लगती है। कई बार विद्यार्थी पढ़ाई से ऊब भी जाते हैं और उनकी एकाग्रता कम होने लगती है। कुछ विद्यार्थियों पर इसका शारीरिक प्रभाव भी देखने को मिलता है। लगातार पढ़ाई और तनाव के कारण नींद की कमी, सिरदर्द, कमजोरी और थकान जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। कई छात्र परीक्षा की तैयारी के लिए अपने खेल, मनोरंजन और सामाजिक गतिविधियों से दूरी बना लेते हैं। परीक्षा आगे बढ़ने पर यह दबाव और अधिक समय तक बना रहता है।

आर्थिक दृष्टि से भी यह स्थिति अनेक परिवारों के लिए कठिनाई उत्पन्न करती है। देश के कई विद्यार्थी दूसरे शहरों में जाकर परीक्षा देते हैं। उनके परिवार यात्रा, होटल, भोजन और अन्य व्यवस्थाओं पर काफी खर्च करते हैं। यदि परीक्षा रद्द हो जाए और दोबारा आयोजित की जाए, तो उन्हें फिर से इन खर्चों का सामना करना पड़ सकता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए यह अतिरिक्त बोझ चिंता का विषय बन जाता है।विद्यार्थियों के भविष्य की योजनाओं पर भी इसका प्रभाव पड़ता है। कई छात्र नीट के साथ अन्य परीक्षाओं की भी तैयारी करते हैं। नई परीक्षा तिथि अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं या शैक्षणिक कार्यक्रमों से टकरा सकती है। इससे समय प्रबंधन में कठिनाई होती है और विद्यार्थियों को अपनी प्राथमिकताएँ बदलनी पड़ती हैं। इसके अतिरिक्त, माता-पिता और परिवार भी इस स्थिति से प्रभावित होते हैं। वे अपने बच्चों के भविष्य को लेकर चिंतित हो जाते हैं। बच्चों को मानसिक रूप से मजबूत बनाए रखना और उनकी प्रेरणा बनाए रखना परिवार के लिए भी चुनौतीपूर्ण कार्य बन जाता है।

हालाँकि ऐसी परिस्थितियाँ कभी-कभी प्रशासनिक या अन्य कारणों से उत्पन्न हो सकती हैं, लेकिन परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, सुरक्षा और बेहतर प्रबंधन होना आवश्यक है। परीक्षा संचालन करने वाली संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विद्यार्थियों को अनावश्यक कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। छात्रों की वर्षों की मेहनत और उनके सपनों का सम्मान करना अत्यंत आवश्यक है।

अंततः कहा जा सकता है कि नीट परीक्षा का रद्द होना केवल एक परीक्षा का स्थगित होना नहीं है, बल्कि यह लाखों विद्यार्थियों के जीवन, उनके सपनों और मानसिक स्थिति को प्रभावित करने वाली घटना बन जाती है। इसलिए ऐसी परिस्थितियों से बचने के लिए परीक्षा प्रणाली को अधिक मजबूत, निष्पक्ष और विश्वसनीय बनाया जाना चाहिए, ताकि विद्यार्थियों को सुरक्षित और तनावमुक्त वातावरण में अपने भविष्य को आकार देने का अवसर मिल सके।

1. परीक्षा के दिन बच्चों के साथ आए माता-पिता के छूटे हुए काम और दिनभर के नुकसान की भरपाई कौन करेगा?

2. उधार पैसे लेकर या कर्ज लेकर किए गए यात्रा, भोजन और रहने के खर्च को दोबारा कैसे वहन किया जाएगा?

3. दूर शहर में अकेले जाकर परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए फिर से वही योजना और व्यवस्था करना कितना कठिन है, इस बारे में कौन सोचेगा?

4. तेज गर्मी में परीक्षा केंद्र के बाहर घंटों इंतजार करने वाले माता-पिता की परेशानियों और संघर्षों की कीमत कौन समझेगा?

परीक्षा केवल प्रश्नपत्र नहीं होती, वह हजारों परिवारों के संघर्ष, त्याग और उम्मीदों से जुड़ी होती है। NTA की यह भूमिका अत्यंत असंवेदनशील प्रतीत होती है।

- डॉ. संतोषकुमार मिश्रा

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी ने विवाह, समानता और महिला स्वतंत्रता पर नई बहस को दी दिशा

-प्रियंका सौरभ

भारत के सर्वोच्च न्यायालय की हालिया टिप्पणी केवल एक कानूनी अवलोकन नहीं है, बल्कि भारतीय समाज की उस गहरी मानसिकता को चुनौती देने वाला ऐतिहासिक संदेश है जिसमें विवाह के बाद महिला की पहचान को अक्सर उसके पति, परिवार और घरेलू जिम्मेदारियों तक सीमित कर दिया जाता है। अदालत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी महिला से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह अपने करियर, महत्वाकांक्षाओं और सपनों का त्याग कर केवल आज्ञाकारी पत्नी बनकर रहे। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब भारत की महिलाएं शिक्षा, विज्ञान, राजनीति, प्रशासन, न्यायपालिका, सेना, खेल और व्यापार जैसे हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रही हैं, लेकिन इसके बावजूद समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी यह मानता है कि विवाह के बाद महिला की प्राथमिक जिम्मेदारी केवल घर और परिवार तक सीमित हो जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह केवल महिलाओं के संवैधानिक अधिकारों की पुनर्पुष्टि नहीं करती, बल्कि आधुनिक भारत में समानता, गरिमा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणा को भी मजबूत करती है।

भारतीय समाज लंबे समय तक पितृसत्तात्मक संरचना से संचालित रहा है। इस व्यवस्था में पुरुष को परिवार का निर्णयकर्ता और आर्थिक केंद्र माना गया, जबकि महिला को त्याग, सहनशीलता और समर्पण का प्रतीक बनाकर प्रस्तुत किया गया। बचपन से ही लड़कियों को यह सिखाया जाता रहा कि विवाह ही उनके जीवन का अंतिम लक्ष्य है और विवाह के बाद उन्हें पति तथा परिवार की इच्छाओं के अनुसार स्वयं को ढाल लेना चाहिए। यही कारण है कि आज भी अनेक परिवारों में लड़कियों की शिक्षा को उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता जितनी लड़कों की। यदि कोई महिला अत्यधिक महत्वाकांक्षी हो, करियर को प्राथमिकता दे या अपने जीवन के फैसले स्वयं लेना चाहे, तो उसे कई बार परिवार विरोधी या अत्यधिक आधुनिक कहकर आलोचना का सामना करना पड़ता है। यह मानसिकता केवल महिलाओं के अधिकारों का हनन नहीं करती, बल्कि समाज की प्रगति को भी सीमित करती है।

विवाह के बाद महिलाओं से करियर छोड़ने या समझौता करने की अपेक्षा भारतीय समाज में सामान्य मानी जाती रही है। यदि पति की नौकरी के कारण शहर बदलना पड़े, तो पत्नी से उम्मीद की जाती है कि वह बिना प्रश्न किए अपना करियर छोड़ दे। यदि परिवार और नौकरी के बीच संतुलन कठिन हो, तो त्याग की जिम्मेदारी अक्सर महिला पर ही डाली जाती है। मातृत्व के बाद महिलाओं पर घरेलू जिम्मेदारियों का इतना अधिक बोझ डाल दिया जाता है कि लाखों महिलाएं अपनी योग्यता और प्रतिभा के बावजूद नौकरी छोड़ने को मजबूर हो जाती हैं। यह स्थिति केवल व्यक्तिगत स्तर पर अन्याय नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय विकास के लिए भी नुकसानदायक है। एक ऐसा देश जो अपनी आधी आबादी की प्रतिभा का पूर्ण उपयोग नहीं कर पाता, वह कभी भी अपनी संपूर्ण क्षमता तक नहीं पहुंच सकता।

सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी भारतीय संविधान की मूल भावना को भी मजबूत करती है। संविधान का अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को समानता का अधिकार देता है। अनुच्छेद 15 लिंग के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है और अनुच्छेद 21 प्रत्येक व्यक्ति को गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। किसी महिला से यह अपेक्षा करना कि वह केवल इसलिए अपने सपनों और करियर का त्याग कर दे क्योंकि वह विवाहित है, इन संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है। अदालत ने स्पष्ट कर दिया है कि विवाह किसी महिला की स्वतंत्र पहचान समाप्त करने का माध्यम नहीं हो सकता। पत्नी कोई अधीनस्थ व्यक्ति नहीं, बल्कि समान अधिकारों वाली स्वतंत्र नागरिक है।

आज भारत की महिलाएं हर क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। अंतरिक्ष से लेकर युद्धक विमान तक, न्यायपालिका से लेकर स्टार्टअप जगत तक, महिलाएं अपनी क्षमता का परिचय दे रही हैं। पीवी सिंधु, मीराबाई चानू, साइना नेहवाल, फाल्गुनी नायर, निर्मला सीतारमण, गीता गोपीनाथ और अनेक अन्य महिलाओं ने यह सिद्ध किया है कि अवसर मिलने पर महिलाएं किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि इन उपलब्धियों के बावजूद समाज में महिलाओं की भूमिका को लेकर पारंपरिक सोच पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। आज भी अनेक शिक्षित परिवारों में यह माना जाता है कि पत्नी की सफलता पति से अधिक नहीं होनी चाहिए। कई बार महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता को पुरुष अहंकार के लिए चुनौती के रूप में देखा जाता है। यही कारण है कि कार्यस्थलों पर लैंगिक भेदभाव, वेतन असमानता और मानसिक दबाव जैसी समस्याएं अब भी मौजूद हैं।

महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति का महत्वपूर्ण आधार है। जब महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती हैं, तब वे अपने निर्णय अधिक स्वतंत्रता और आत्मविश्वास के साथ ले पाती हैं। आर्थिक स्वतंत्रता उन्हें घरेलू हिंसा, मानसिक उत्पीड़न और असमान व्यवहार के खिलाफ आवाज उठाने की शक्ति भी देती है। इसलिए करियर केवल आय अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि सम्मान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक भी है। यदि किसी महिला को विवाह के नाम पर अपने करियर का त्याग करने के लिए मजबूर किया जाता है, तो वास्तव में उसकी स्वतंत्रता को सीमित किया जाता है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी इसी सोच को अस्वीकार करती है और यह स्पष्ट करती है कि महिला का करियर कोई शौक नहीं, बल्कि उसका संवैधानिक और मानवीय अधिकार है। हालांकि केवल न्यायिक टिप्पणियां समाज में पूर्ण परिवर्तन नहीं ला सकतीं। वास्तविक बदलाव तब आएगा जब परिवारों की सोच बदलेगी। आज भी घरों में घरेलू कार्यों और बच्चों की परवरिश की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं पर डाल दी जाती है। पुरुषों की घरेलू भागीदारी सीमित रहती है, जबकि कामकाजी महिलाओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे नौकरी के साथ-साथ घर की हर जिम्मेदारी भी निभाएं। यही दोहरा बोझ महिलाओं के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। यदि पति-पत्नी घरेलू जिम्मेदारियों को समान रूप से साझा करें, तो महिलाएं बिना अपराधबोध के अपने करियर और सपनों को आगे बढ़ा सकती हैं। आधुनिक विवाह का आधार समानता, सहयोग और पारस्परिक सम्मान होना चाहिए, न कि नियंत्रण और अधीनता।

समाज में महिलाओं की स्वतंत्रता का विरोध अक्सर संस्कृति और परंपरा के नाम पर किया जाता है। लेकिन यह समझना आवश्यक है कि कोई भी संस्कृति तभी जीवंत और प्रगतिशील मानी जाती है जब वह अपने नागरिकों को समान अवसर और सम्मान प्रदान करे। यदि परंपराओं के नाम पर महिलाओं को दबाया जाए, उनके सपनों को सीमित किया जाए और उनकी स्वतंत्रता पर नियंत्रण रखा जाए, तो वह संस्कृति नहीं बल्कि असमानता की व्यवस्था बन जाती है। भारतीय सभ्यता में नारी शक्ति को हमेशा सम्मान दिया गया है। देवी सरस्वती को ज्ञान, लक्ष्मी को समृद्धि और दुर्गा को शक्ति का प्रतीक माना गया। लेकिन वास्तविक जीवन में महिलाओं को समान अवसर देने में समाज अक्सर पीछे रह जाता है। यही विरोधाभास आज भी भारतीय समाज की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है। नई पीढ़ी की महिलाएं अब अपने अधिकारों और सपनों को लेकर अधिक जागरूक हैं। वे विवाह को जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा मानती हैं, लेकिन अपनी पहचान खोकर नहीं। वे ऐसे रिश्ते चाहती हैं जहां सम्मान, स्वतंत्रता और सहयोग हो। डिजिटल युग और शिक्षा के विस्तार ने महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाया है। सोशल मीडिया और वैश्विक संपर्क ने उन्हें यह समझने का अवसर दिया है कि दुनिया तेजी से बदल रही है और महिलाएं हर क्षेत्र में नेतृत्व कर रही हैं। लेकिन दूसरी ओर समाज का एक हिस्सा अब भी पुरानी सोच से बाहर नहीं निकल पाया है। यही कारण है कि महिलाओं की स्वतंत्रता को लेकर कई बार सामाजिक तनाव और संघर्ष देखने को मिलते हैं। ऐसे समय में सर्वोच्च न्यायालय की प्रगतिशील टिप्पणियां समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करती हैं।

भारत में महिला श्रम भागीदारी दर अब भी अपेक्षाकृत कम है। बड़ी संख्या में महिलाएं विवाह और मातृत्व के बाद कार्यक्षेत्र छोड़ देती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है, जहां सामाजिक रूढ़ियां और आर्थिक सीमाएं महिलाओं की स्वतंत्रता को प्रभावित करती हैं। यदि भारत को वास्तव में वैश्विक शक्ति बनना है, तो उसे महिलाओं की प्रतिभा और क्षमता का पूरा उपयोग करना होगा। विश्व बैंक और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की रिपोर्ट बताती हैं कि यदि महिलाओं की कार्यबल में भागीदारी बढ़े, तो भारत की अर्थव्यवस्था को भारी लाभ हो सकता है। इसलिए महिलाओं को शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व के अवसर देना केवल सामाजिक न्याय का प्रश्न नहीं, बल्कि आर्थिक विकास की आवश्यकता भी है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी पुरुषों के लिए भी एक महत्वपूर्ण संदेश है। महिलाओं की स्वतंत्रता पुरुषों के अधिकारों के खिलाफ नहीं है। समानता का अर्थ प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि साझेदारी है। जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं, तो परिवार, समाज और राष्ट्र सभी मजबूत होते हैं। एक आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी महिला बेहतर निर्णय ले सकती है, बच्चों को बेहतर शिक्षा और संस्कार दे सकती है तथा समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है। इसलिए महिलाओं की सफलता को चुनौती नहीं, बल्कि सामूहिक प्रगति के रूप में देखा जाना चाहिए।

नीट पेपर लीक होने से लाखों युवाओं के सुनहरे सपनों की हत्या : डॉ द्रिगेश यादव

मुंबई (उत्तरशक्ति)। नीट परीक्षा का रद्द होना लाखों छात्रों और उनके परिवारों के लिए एक विनाशकारी झटका है। इसके मुख्य दुष्प्रभावों में छात्रों का मानसिक तनाव, कीमती समय की बर्बादी, शैक्षणिक सत्र में देरी, आर्थिक नुकसान और परीक्षा प्रणाली पर से अटूट विश्वास का उठ जाना शामिल है। पूर्वांचल विकास परिवार के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ द्रिगेश यादव का कहना है कि नीट पेपर लीक सिर्फ एक परीक्षा घोटाला ही नहीं है, बल्कि लाखों युवाओं के सुनहरे सपनों की हत्या है। उन्होंने कहा कि परीक्षा रद्द होने और अवसाद के चलते देश के अलग-अलग हिस्सों (जैसे दिल्ली, यूपी, राजस्थान और गोवा) में कई युवा अपनी जान गंवा चुके हैं। इतनी बड़ी घटना होने के बावजूद सरकार का कोई जिम्मेदार मंत्री यह कहने के लिए तैयार नहीं है कि भविष्य में पेपर लीक नहीं होगा। पिछले वर्ष पेपर लीक होने के बावजूद परीक्षा रद्द नहीं की गई। एक चैनल पर जिस तरह से दिखाया गया कि 2025 में राजस्थान के एक ही परिवार से जुड़े 5 ऐसे बच्चों ने नीट परीक्षा पास की, जो पढ़ने में बेहद कमजोर थे। इससे साफ होता है कि परीक्षा परिणाम में साफ तौर पर हेरा फेरी की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल विकास परिवार पेपर लीक मामले की कड़ी निंदा करता है और दोषियों को सख्त से सख्त सजा देने की मांग करता है। साथ ही पेपर लीक मामले में लिप्त दोषियों को तत्काल कड़ी से कड़ी सजा मिले। डॉ यादव ने कहा कि परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह से पारदर्शी और सुरक्षित बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सिस्टम की विफलता के चलते एक भी बच्चे की जान नहीं जानी चाहिए।

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के युवा प्रभारी चौधरी राजेश यादव का आचार्य सूरजपाल यादव द्वारा किया गया सम्मान

खागा/प्रयागराज(उत्तरशक्ति)। समाजसेवक एवं पत्रकार आचार्य सूरजपाल यादव ने अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष व युवा प्रभारी तथा कृष्णा वाहिनी के राष्ट्रीय महासचिव चौधरी राजेश यादव को अंगवस्त्र एवं यादव समाज की सामाजिक पत्रिका ह्लयदु यादव कोशह्ल भेंट कर सम्मान किया। बताते हैं कि मुंबई महानगर एवं उपनगरों में समाजसेवा और पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय आचार्य सूरजपाल यादव प्रयागराज से मुंबई जाते समय खागा महागमा स्थित महासभा उत्तर प्रदेश के खागा नगर अध्यक्ष भूपसिंह यादव के आवास पहुंचे। इस दौरान सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई तथा आचार्य सूरजपाल यादव ने चौधरी राजेश यादव एवं भूपसिंह यादव को ह्लयदु यादव कोशह्ल पत्रिका भेंट कर उनका सत्कार किया। इस अवसर पर भारतीय किसान यूनियन प्रयागराज मंडल अध्यक्ष संजय यादव (गांधी), खेड़ुआ ग्राम प्रधान तीरथ सिंह यादव, बृजमोहन यादव, सुधीर यादव, कुंभकर्ण यादव, राजकुमार, पिंटू सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में समाज की एकता, संगठन और युवाओं की भागीदारी को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया।

आसमान छूती महंगाई से आम आदमी की हालत पस्त

खाद्य पदार्थों की कीमतों को न बढ़ाने की मांग

मुंबई। खाद्य पदार्थों से लेकर पेट्रोल और डीजल के भाव बढ़ने से आम गरीब आदमी की हालत पस्त हो गई है । बता दें कि मई 2026 में भारत में थोक महंगाई दर (WPI) बढ़कर 8130% के उच्च स्तर पर पहुंच गई है, जिसने 42 महीने का रिकॉर्ड तोड़ा है। रसोई गैस, पेट्रोल-डीजल, तेल, दूध और सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। खाद्य पदार्थों में बेतहाशा वृद्धि से घरेलू बजट पूरी तरह से बिगड़ गया है, जिससे आम आदमी महंगाई की मार से त्रस्त है।

ज्ञात है कि पश्चिम एशिया संकट के बीच आम आदमी पर दूध के बाद अब सीएनजी और पेट्रोल-डीजल के साथ खाने वाले तेल का भाव बढ़ गया है। पेट्रोल डीजल के दाम में करीब तीन रुपए से अधिक की बढ़ोतरी हो गई है। वहीं, सीएनजी के दाम भी बढ़ गए हैं। जबकि खाने वाले तेल में २० रुपए की वृद्धि हुई है। जबकि दूध का दाम दो रुपए बढ़ गया है। पिछले दो से तीन दिन में एक के बाद एक चार बड़े झटके लगे हैं। पहले दूध के दाम बढ़े, फिर मुंबई में उठÿमहंगी हुई और अब पेट्रोल-डीजल और तेल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो गई है। इतना ही नहीं, अब देशभर में भी सीएनजी के दाम में दो रुपए की बढ़ोतरी हो गई है। लगातार बढ़ती कीमतों ने घर के बजट पर नया दबाव डाल दिया है। रसोई से लेकर सफर तक हर चीज महंगी होती नजर आ रही है। मुंबई कांग्रेस रोजगार स्वय रोजगार विभाग के महासचिव डॉ सत्तार खान ने बढ़ती हुई महंगाई पर आक्रोश जताते हुए कहा कि देश में जब कांग्रेस की सरकार थी तो महंगाई का पता ही नहीं चलता था। क्योंकि उस समय सरकार आम आदमी की भावनाओं पर विशेष रूप से ध्यान देती थी। सरकार महंगाई पर विशेष रूप से नियंत्रण बनाए रखती थी। लेकिन वर्तमान सरकार का महंगाई पर कुछ भी नियंत्रण नहीं है। जिसके कारण आम गरीब आदमी की हालत महंगाई से बद से बदतर हो गई है। डॉक्टर सत्तार खान ने आगे कहा कि भारत देश की आधी से ज्यादा आबादी शहरों में रहती है। जिसके कारण लोगों को शहरों में हरेक वस्तु खरीदनी पड़ती है। चाहे वह पानी ही क्यों न हो। जिसके कारण डॉक्टर सत्तार खान ने देश के प्रधानमंत्री से आम गरीब आदमी की भावनाओं को संज्ञान में लेते हुए खाद्य पदार्थों के भाव न बढ़ाने की मांग की है। दरअसल ईरान जंग का असर पूरी दुनिया में दिख रहा है। भारत में महंगाई भी उसी का असर है। सबसे पहले दूध महंगा हुआ उसके पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए और अब खाने वाले तेल का भाव भी बढ़ा दिया गया। जिसके कारण महंगाई की मार से आम आदमी की कमर टूट चुकी है।

कल्याण रेलवे यार्ड में 12 वर्षीय बच्ची से दुष्कर्म

आरोपी पुलिस की गिरफ्त में 21 तक पुलिस कस्टडी

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण रेलवे स्टेशन परिसर में एक चौंकाने वाली घटना हुई है। कल्याण रेलवे यार्ड में एक 12 साल की नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया गया है। कल्याण GRP पुलिस ने इस मामले में सौरभ सोनवाने नाम के एक युवक को गिरफ्तार किया है। उसे कोर्ट में पेश किया गया, तो कोर्ट ने उसे 21 मई तक पुलिस कस्टडी में भेज दिया।

घटना चौंकाने वाली बात यह है कि नाबालिग लड़की अहिल्यानगर से ST ट्रेन से सफर करके कल्याण आई थी। उसे अपने सगे संबंधियों से मिलने खोपोली जाना था। वह कल्याण स्टेशन पर लोकल ट्रेन का इंतजार कर रही थी। इसी बीच, आरोपी सौरभ, जो लड़की को नहीं जानता था, ने पीड़िता का मोबाइल फोन छीन लिया। जब लड़की ने अपना मोबाइल वापस मांगा, तो सौरभ ने कहा कि अगर उसे अपना मोबाइल वापस चाहिए, तो वह मेरे साथ पुलिस स्टेशन चलेगा। उसे पुलिस स्टेशन ले जाने के बजाय, वह उसे कल्याण रेलवे यार्ड में ले गया और उसके साथ रेप किया। इस मामले में, कल्याण रेलवे क्राइम ब्रांच और GRP

पुलिस ने CCTV की मदद से सौरभ का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्रों की मानें तो आरोपी पर पहले भी मुकदमे दर्ज है वह एक शातिर बदमाश बताया जा रहा है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी से पूरे मामले की जांच करने में जुटी हुई है।

डोंबिवली के प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में चोरी, दानपेटी से पैसे निकालते रंगे हाथ पकड़ा गया शातिर

मुंबई। मुंबई के रिहायशी डोंबिवली एमआईडीसी इलाके में स्थित प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर में शुक्रवार सुबह एक चोर को दानपेटी से पैसे चुराते हुए रंगे हाथ पकड़ लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना सुबह करीब 6:34 बजे हुई और मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात रिकॉर्ड हो गई। जानकारी के मुताबिक आरोपी खुद को श्रद्धालु बताकर मंदिर में दर्शन करने के बहाने दाखिल हुआ। कुछ देर मंदिर में रुकने के बाद उसने कथित तौर पर गोंद लगी एक पतली लकड़ी की छड़ी की मदद से दानपेटी में रखे नोट बाहर निकालने शुरू कर दिए।

बाद में मंदिर प्रबंधन ने सीसीटीवी फुटेज देखते समय संदिग्ध हरकत देखी। इसके बाद मंदिर के कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर शिंदे और सुबह दर्शन के लिए आए श्रद्धालु ने तुरंत आरोपी को पकड़ लिया, इससे पहले कि वह वहां से भाग पाता। इसके बाद आरोपी को आगे की जांच और कानूनी कार्रवाई के लिए मानपाडा पुलिस स्टेशन के हवाले कर दिया गया।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी दानपेटी से काफी रकम निकाल चुका था, तभी उसे पकड़ा गया। पुलिस अब उससे पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या वह पहले भी इलाके में ऐसी चोरी की घटनाओं में शामिल रहा है। डोंबिवली एमआईडीसी इलाके का सिद्धिविनायक मंदिर स्थानीय लोगों की आस्था का बड़ा केंद्र माना जाता है।

जमीन विवाद में भाई ने कराई सगे भाई की हत्या, पुलिस ने 4 आरोपियों को किया गिरफ्तार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी तालुका के शेडगांव में 12 मई को काम पर जा रहे 40 वर्षीय परेश पाटिल की हत्या मामले का खुलासा करते हुए गणेशपुरी पुलिस और स्थानीय अपराध शाखा ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तार आरोपियों में मृतक का सगा भाई भी शामिल है, जिसने हत्या की सुपारी दी थी। पुलिस के अनुसार परेश पाटिल वसई काम पर जा रहे थे, तभी वाशिंद-अंबाडी रोड पर अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने करीब 200 सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी जांच के आधार पर आरोपियों तक पहुंची। गिरफ्तार आरोपियों में राकेश पाटिल, प्रेमजीत घरत, दक्षत भोईर और मृतक का भाई नरेश पाटिल शामिल हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ कि जमीन और घर के विवाद को लेकर नरेश ने अपने भाई की हत्या के लिए 10 लाख रुपये की सुपारी दी थी। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

भिवंडी में सरकारी जलापूर्ति ठेकेदारों का पहला राज्यस्तरीय अधिवेशन संपन्न, 7500 करोड़ रुपये बकाया भुगतान की मांग तेज

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र राज्य शासकीय पाणीपुरवठा कंत्राटदार संघटना का पहला राज्यस्तरीय महाअधिवेशन भिवंडी तालुका के राजनोली में आयोजित किया गया। अधिवेशन में राज्यभर से करीब 350 ठेकेदार शामिल हुए। इस दौरान ठेकेदारों ने शासन पर जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों का भुगतान लंबित रखने का आरोप लगाते हुए तत्काल निधि उपलब्ध कराने की मांग की। संघटना के राज्य अध्यक्ष बालासाहेब जाधव ने पत्रकार परिषद में कहा कि राज्य में हजारों नल जलापूर्ति योजनाओं का काम पूरा होने के बावजूद ठेकेदारों को भुगतान नहीं किया जा रहा है। इससे ठेकेदार आर्थिक संकट में फंस गए हैं और कई लोगों पर आत्महत्या जैसी स्थिति पैदा हो गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि

सरकार ने जल्द बकाया राशि जारी नहीं की तो 15 अप्रैल से शुरू किया गया काम बंद आंदोलन और अधिक तीव्र किया जाएगा। अधिवेशन का उद्घाटन विधायक शांताराम मोरे और दौलत दरोडा के हस्ते हुआ, जबकि दूसरे सत्र में पूर्व विधायक रुपेश म्हात्रे ने उपस्थित ठेकेदारों का मार्गदर्शन किया।

कार्यक्रम में राज्य उपाध्यक्ष किशोर जामदार, राज्य सचिव पी.एन. पाटिल, ठाणे जिलाध्यक्ष कल्पेश केणे, जिला कार्याध्यक्ष भगवान भोईर सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

संघटना के अनुसार राज्य में 50 से 52 हजार नल जलापूर्ति योजनाओं का काम शुरू किया गया था, जिनमें से 26 हजार योजनाएं पूरी हो चुकी हैं। बाकी योजनाओं में कई 75 प्रतिशत और कुछ 50 प्रतिशत तक पूरी हुई हैं। लेकिन मार्च 2026 तक करीब 7500 करोड़ रुपये के बिल लंबित होने से ठेकेदारों को भारी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। कई ठेकेदारों ने बैंक और निजी साहूकारों से कर्ज लेकर तथा घर के गहने गिरवी रखकर काम पूरे किए हैं।

अधिवेशन में सरकार से दो वर्षों से लंबित भुगतान तत्काल जारी करने, जल जीवन मिशन की अधूरी योजनाओं के लिए आवश्यक निधि उपलब्ध कराने, निधि अभाव के कारण लगाए गए दंड को वापस लेने तथा सभी योजनाओं को दिसंबर 2028 तक समयवृद्धि देने की मांग की गई। इस राज्यस्तरीय अधिवेशन को सफल बनाने के लिए ठाणे जिलाध्यक्ष कल्पेश केणे, जिला कार्याध्यक्ष भगवान भोईर, जयराम वारघडे, आकाश आव्हाड, भावेश म्हात्रे, आशिष पाटिल और जयेश विशे ने विशेष मेहनत किया ।

पश्चिम बंगाल चुनाव में योगदान पर महिला मोर्चा ने की नीलोबेन सोनी की सराहना

मुंबई (उत्तरशक्ति)। वनथी श्रीनिवासन ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने वाली उत्तर मुंबई भाजपा की मीडिया प्रभारी श्रीमती नीलोबेन सोनी को पत्र भेजकर उनके योगदान की सराहना की है। 11 मई 2026 को जारी इस पत्र में भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान नीलाबेन सोनी ने पूरी मेहनत, लगन समर्पण और अथक प्रयासों के साथ पार्टी के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी वह पार्टी की गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाती रहेंगी। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि नीलाबेन सौनी का उत्साह, संगठनात्मक क्षमता और कार्यशैली पार्टी को और अधिक सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होगी।

भाजपा महिला मोर्चा की ओर से उनके बहुमूल्य योगदान और सहयोग के लिए हार्दिक धन्यवाद व्यक्त किया गया। वहीं राजनीतिक गलियारों में इस पत्र को संगठन के समर्पित कार्यकताओं के मनोबल को बढ़ाने की पहल के रूप में देखा जा रहा है। बता दें कि नीलाबेन सोनी उत्तर मुंबई में पिछले तीन दशक से भाजपा में सक्रिय होकर पार्टी के लिए पूरी निष्ठा और लगन के साथ कार्य कर रही है।

तुषार साबू बने भाजपा उत्तर भारतीय मोर्चा के पालघर जिला महासचिव

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। भारतीय जनता पार्टी ने पालघर जिले में उत्तर भारतीय मोर्चा को और मजबूत करने के लिए तुषार साबू को जिला महासचिव नियुक्त किया गया है। पार्टी नेतृत्व के इस फैसले से कार्यकताओं में उत्साह और खुशी का माहौल है। भाजपा पालघर जिला अध्यक्ष भरत राजपूत के निर्देश पर उत्तर भारतीय मोर्चा जिला अध्यक्ष आर. बी. सिंह ने तुषार साबू को यह अहम जिम्मेदारी सौंपी है। आर बी सिंह ने विश्वास जताया कि उनकी नियुक्ति से संगठन को जमीनी स्तर पर नई मजबूती मिलेगी और मोर्चा की गतिविधियों को गति प्राप्त होगी। तुषार साबू लंबे समय से संगठन के विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उत्तर भारतीय समाज के बीच उनकी पकड़ और कार्यशैली को देखते हुए पार्टी ने उन पर भरोसा जताया है। नियुक्ति के बाद उन्होंने वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही पूरी निष्ठा से कार्य करेंगे। तुषार साबू ने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाना, युवाओं को पार्टी से जोड़ना और समाज के हर वर्ग के बीच संवाद बढ़ाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा। पार्टी कार्यकताओं ने भी तुषार साबू को नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं दी हैं।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट पर बड़ा अपडेट, 350 टन वजनी कटरहेड को विक्रोली शाफ्ट में उतारा

मुंबई। मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई। मुंबई के विक्रोली में टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) के पहले कटरहेड को सफलतापूर्वक शाफ्ट में उतारा गया। 13.6 मीटर व्यास और लगभग 350 टन वजन वाला यह कटरहेड, टीबीएम के मुख्य शील्ड की प्राइमरी असेंबली के अंतिम चरण का प्रतीक है। इसका वीडियो रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को अपने एक्स अकाउंट पर भी शेयर किया है।

दरअसल 21 किलोमीटर लंबे मुंबई सुरंग हिस्से में से 16 किलोमीटर हिस्से के निर्माण के लिए दो टीबीएम मशीनों को असेंबल किया जा रहा है। इसमें ठाणे क्रीक के नीचे बनने वाली 7 किलोमीटर लंबी सुरंग भी शामिल है। जो भारत की पहली समुद्र के नीचे रेल सुरंग होगी। प्रत्येक टीबीएम का वजन 3,000 टन से अधिक है, और ये देश में रेल सुरंग निर्माण के लिए अब तक उपयोग की जाने वाली सबसे बड़ी मशीनें हैं।

13.6 मीटर व्यास वाला यह कटरहेड इतनी बड़ी सुरंग खोदने में सक्षम है। इसमें हाई-स्पीड कॉरिडोर की अप और डाउन दोनों लाइनें एक ही सुरंग में होंगी। इसका 350 टन वजन लगभग 250 यात्री कारों (मिड-साइज एसयूवी) के बराबर है। यह यूनिट पांच अलग-अलग शिपमेंट में साइट पर पहुंचाई गई। इन्हें 1,600 किलोग्राम उच्च-परिशुद्धता वेल्डिंग के माध्यम से जोड़ा गया। इस यूनिट में 84 कटर डिस्क, 124 स्क्रेपर, तथा 16 बकेट लिप लगाए गए हैं। जो खुदाई और मलबा हटाने की प्रक्रिया को प्रभावी बनाते हैं। कटर डिस्क मुख्य उपकरण हैं। जो चट्टानों को काटने का कार्य करते हैं। इसके बाद कटरहेड पर लगे स्क्रेपर मलबे को हटाने और साफ करने का कार्य करते हैं। बकेट लिप कटरहेड में वह खुला हिस्सा होता है, जिसके माध्यम से मलबा मशीन के मलबा कक्ष में प्रवेश करता है। यह मलबे को एकत्र करने तथा उसे पाइपलाइन प्रणाली की ओर निर्देशित करने में सहायता करता है, जिससे सुरंग से बाहर निकासी संभव हो पाती है। यह टीबीएम विक्रोली से लगभग 6 किलोमीटर की यात्रा करते हुए घने शहरी क्षेत्र और मीठी नदी के नीचे से गुजरकर बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित निमार्णाधीन मुंबई बुलेट ट्रेन स्टेशन तक पहुंचेगी, जहां इसे बाहर निकाला जाएगा। सुरंग निर्माण की सुरक्षित खुदाई और आसपास की संरचनाओं की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग मॉनिटरिंग उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। इनमें सरफेस सेटलमेंट पॉइंट्स (एसएसपी), ऑप्टिकल डिस्प्लेसमेंट सेंसर्स (ओडीएस) या टिल्ट मीटर्स, बीआरटी (बाय रिफ्लेक्ट टारगेट/3डी टारगेट), सुरंग की सतह पर सूक्ष्म खिंचाव (माइक्रोस्ट्रेन) मापने के लिए स्ट्रेन गेज, और पीक पार्टिकल वेलोसिटी (पीपीवी) या कंपन और भूकंपीय तरंगों की निगरानी के लिए सीस्मोग्राफ शामिल हैं।

मनोरी प्रोजेक्ट बुझाएगा मुंबई की प्यास, समुद्र से दो टनलों के जरिए आएगा पानी, पहले फेज में 200 मिलियन लीटर

मुंबई। मुंबई की बढ़ती आबादी की पानी की मांग को पूरा करने के लिए बृहन्मुंबई महानगरपालिका मलाड-मनोरी में एक डिसेलिनेशन प्लांट बनाने जा रहा है। जो समुद्र के पानी को पीने लायक पानी में बदलेगा। केंद्र सरकार ने आखिरकार इस प्रोजेक्ट के लिए जरूरी कोस्टल रेगुलेशन जोन (उफे) मंजूरी दे दी है। इस बात की पुष्टि करने वाला एक आधिकारिक पत्र 11 मई को जारी किया गया। इसके चलते इस बड़े प्रोजेक्ट का असली निर्माण कार्य आने वाले मॉनसून के बाद जोर पकड़ सकता है। कोस्टल रेगुलेशन जोन मंजूरी मिलने के बाद महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मैरीटाइम बोर्ड से मंजूरी मिलना अभी बाकी है। हालांकि नगर निगम को अगले आठ से दस दिनों के भीतर ये मंजूरियां मिल जाने की उम्मीद है। यह प्रोजेक्ट पांच नगर निगम वार्डों के लोगों की प्यास बुझाने के लिए तैयार है।

मुंबई को अभी सात जलाशयों– तानसा, मोदक सागर, मिडिल वैतरणा, अपर वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी से रोजाना 4,000 मिलियन लीटर (400 करोड़ लीटर) पानी की सप्लाई मिलती है। मुंबई की लगातार बढ़ती पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए बीएमसी ने मनोरी में एक डिसेलिनेशन प्रोजेक्ट लागू करने का फैसला किया था, ताकि समुद्र के पानी को ताजे पानी में बदला जा सके। हालांकि पिछले तीन से चार सालों से यह प्रोजेक्ट टेंडर प्रक्रिया में ही अटका हुआ था। आखिरकार प्रोजेक्ट को फिर से पटरी पर लाने के लिए और काम को पूरा करने के लिए GVPR कंपनी को चुना गया है। चयन प्रक्रिया के साथ-साथ, अलग-अलग नियामक मंजूरियां हासिल करना भी एक जरूरी शर्त थी।

जब उफे, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मैरीटाइम बोर्ड से मंजूरी हासिल करने की कोशिशें चल रही थीं, तभी 11 मई को नगर निगम को उफे मंजूरी देने वाला आधिकारिक पत्र मिल गया। इस घटनाक्रम के बाद महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और मैरीटाइम बोर्ड के अधिकारियों का प्रोजेक्ट वाली जगह का दौरा करके निरीक्षण करने और जानकारी इकट्ठा करने का कार्यक्रम तय है। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया है कि इसके बाद इन दोनों संस्थाओं से भी मंजूरी आठ से दस दिनों के भीतर मिल जाने की उम्मीद है।

मनोरी डिसेलिनेशन प्रोजेक्ट के हिस्से के तौर पर समुद्र के अंदर दो सुरंगें बनानी होंगी। इनमें से हर एक की लंबाई दो किलोमीटर होगी। ताकि समुद्र का कच्चा पानी अंदर लिया जा सके और साफ किया हुआ पानी बाहर छोड़ा जा सके। इस प्रोजेक्ट के जरिए समुद्र के पानी को ट्रीट करके मुंबई के निवासियों को कुल 400 मिलियन लीटर पानी दिया जाएगा। पहले चरण में 200 मिलियन लीटर और दूसरे चरण में 200 मिलियन लीटर। मनोरी डिसेलिनेशन प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत शुरू में 3,520 करोड़ आंकी गई थी।

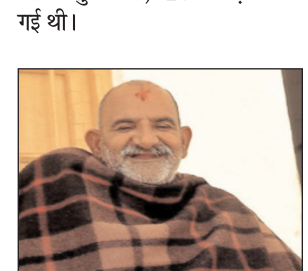

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार दंपती को रौंदा

महुली चौराहे पर दर्दनाक हादसा, दो मासूम बच्चों की बची जान

राम कुमार गुप्ता

मिर्जापुर (उत्तरशक्ति)। शक्तिनगर मुख्य मार्ग स्थित महुली चौराहे पर रविवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उनके दो मासूम बच्चे सुरक्षित बच गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर बच्चों का माता-पिता के शवों से लिपटकर रोना देख मौजूद लोग भी भावुक हो उठे।

जानकारी के अनुसार सरिया निवासी गौतम अपनी पत्नी फूला और दो बच्चों के साथ अहरौरा बाजार से बाइक द्वारा घर लौट रहे थे। सुबह करीब 10 बजे जैसे ही परिवार महुली चौराहे के पास पहुंचा, सोनभद्र की ओर से राखड़ लादकर वाराणसी जा रहा तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर बाइक से टकरा गया।

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि गौतम और उनकी पत्नी ट्रेलर के पहिये के नीचे आ गए और दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं बाइक पर बैठे दोनों बच्चे सड़क किनारे जा गिरे, जिससे उनकी जान बच गई।

हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने बच्चों को संभाला और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकलवाकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू कर दी है। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

शाहगंज में दर्दनाक सड़क हादसा: ट्रक की टक्कर से युवक की मौत, दो गंभीर

रियाजुल हक

मृतक शिवम चौहान की फाइल फोटो

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के अयोध्या मार्ग स्थित गौशाला के समीप शनिवार देर रात हुए भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई। बताया जाता है कि ताखा पश्चिम शिवपुर गांव निवासी 21 वर्षीय शिवम चौहान, 18 वर्षीय नवीन चौहान और शुभम उर्फ गोलू राजभर बाइक से शाहगंज से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को राजकीय चिकित्सालय पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के दौरान शिवम चौहान को मृत घोषित कर दिया। वहीं नवीन चौहान और शुभम राजभर की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों की तहरीर पर अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

लायंस क्लब जौनपुर गोमती को मिला नया नेतृत्व

सैयद हसनैन कमर 'दीपू' निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। लायंस क्लब जौनपुर गोमती की चुनावी सभा नगर के एक होटल में चुनाव अधिकारी धर्मेंद्र प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में आगामी सत्र 2026-27 के लिए अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष पद का चयन किया गया, जिसमें सैयद हसनैन कमर को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया। बैठक के दौरान क्लब अध्यक्ष डा.राजेश मौर्या ने सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए अध्यक्ष पद के लिए हसनैन कमर 'दीपू' के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका उपस्थित सदस्यों ने करतल ध्वनि से समर्थन किया। इसके बाद चुनाव अधिकारी ने उनके निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा की।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष हसनैन कमर दीपू ने अपनी कार्यकारिणी की घोषणा करते हुए नवीन मिश्रा को सचिव एवं ऋषिदेव साहू को कोषाध्यक्ष मनोनीत किया। सभी पदाधिकारियों को माल्यार्पण कर स्वागत एवं सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर चीफ डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर मनीष गुप्ता ने कहा कि दीपू के नेतृत्व में क्लब सेवा कार्यों के क्षेत्र में नई पहचान बनाएगा। वहीं रीजन चेयरपर्सन प्रतिमा गुप्ता ने पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए समाजसेवा के कार्यों को और अधिक गति देने का आह्वान किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष हसनैन कमर दीपू ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जिस विश्वास के साथ यह जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह उस पर पूरी निष्ठा से खरा उतरने का प्रयास करेंगे और सभी सदस्यों के सहयोग से वर्षभर सेवा कार्य जारी रहेंगे।

कार्यक्रम का संचालन खुशबू गुप्ता ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन गौरव श्रीवास्तव ने किया। बैठक में डॉ. जी.सी. सिंह, वीरेंद्र सिंह, डॉ. सुलोचना सिंह, सुधा मौर्या, जागेश्वर केसरवानी, डॉ. सरला गुप्ता, डॉ. रश्मि मौर्या, संतोष साहू, धीरज गुप्ता, देवेश गुप्ता, डॉ. तस्नीम फातिमा सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

स्लीपर बस ट्रेलर में घुसी, आजमगढ़ के नौ यात्रियों समेत 23 घायल

दिल्ली से आजमगढ़ आते समय तेज रफ्तार और ओवरटेक के दौरान हुआ हादसा

उन्नाव (उत्तरशक्ति)। उन्नाव जिले के बांगरमऊ क्षेत्र में आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह हुए भीषण सड़क हादसे में आजमगढ़ के नौ यात्रियों समेत कुल 23 लोग घायल हो गए। हादसे में जौनपुर जिले का एक यात्री भी गंभीर रूप से जख्मी हुआ है। दुर्घटना के बाद एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही यूपीडा टीम, पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंची तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। गंभीर रूप से घायल यात्रियों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार दिल्ली से करीब 40 यात्रियों को लेकर एक स्लीपर बस आजमगढ़ की ओर आ रही थी। रविवार सुबह करीब छह बजे बांगरमऊ क्षेत्र के रघुरामपुर गांव के पास बस चालक ने आगे चल रहे ट्रेलर को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान बस अनियंत्रित हो गई और तेज रफ्तार में ट्रेलर के पीछे जा घुसी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। घटना की सूचना मिलते ही यूपीडा की टीम और बांगरमऊ पुलिस मौके पर पहुंच गई। राहत एवं बचाव कार्य शुरू करते हुए बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया और एंबुलेंस के जरिए बांगरमऊ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया।

प्राथमिक उपचार के बाद कुछ यात्रियों को घर भेज दिया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। हादसे में घायल यात्रियों में चंद्रमणि शुक्ला निवासी पुरेनपत, अमेठी, नारायण दत्त द्विवेदी निवासी अहरौला, आजमगढ़, देवेंद्र कुमार द्विवेदी निवासी गोसाईगंज, सुल्तानपुर, श्रीराम सिंह निवासी हरिपुर कला, सिवान बिहार, श्वेता पाण्डेय निवासी चिनहट, लखनऊ, श्रीकांत यादव निवासी आजमगढ़, सौरभ तिवारी निवासी हयौता, आजमगढ़, सोनू सिंह निवासी बिजोरा, आजमगढ़, आकाश तिवारी निवासी शेरपुर, सुल्तानपुर, फैजान निवासी सुल्तानपुर, अजय सिंह निवासी आदमपुर तेंदुकी, अंबेडकरनगर, वेदांत यादव निवासी आदर्श नगर, सुल्तानपुर, जगदीश सिंह निवासी जयसिंहपुर, सचिन सिंह निवासी ग्राम गहरवा, जौनपुर, संतोष कुमार निवासी ग्राम उपटा, अतरौलिया, आजमगढ़, संदीप निवासी बेनीपुरी, आजमगढ़, श्रद्धा पाण्डेय निवासी करौतिया, सुल्तानपुर, संजय पाण्डेय निवासी अशोक वाटिका, साहिबाबाद गाजियाबाद, मुन्नी देवी निवासी सोनिया विहार, आजमगढ़, आयुष कुमार निवासी अशोक वाटिका, गाजियाबाद, अक्षत कुमार निवासी ग्राम कमेनूर, आजमगढ़, सुरेंद्र निवासी अकबरपुर, अंबेडकरनगर तथा अजीत निवासी किन्दौली, आजमगढ़ शामिल हैं। हादसे के बाद कुछ देर तक एक्सप्रेसवे पर यातायात प्रभावित रहा। पुलिस ने क्षतिग्रस्त बस को हटवाकर बांगरमऊ टोल प्लाजा पर खड़ा करा दिया। कोतवाल अखिलेश चंद्र पाण्डेय ने बताया कि प्रथम दृष्टया हादसे का कारण तेज रफ्तार और ओवरटेक के दौरान बस का नियंत्रण खोना प्रतीत हो रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिजली व्यवस्था में लापरवाही पर डीएम सख्त, दो दिन में आपूर्ति बहाल करने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आंधी-तूफान से क्षतिग्रस्त बिजली व्यवस्था को जल्द दुरुस्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टूटे विद्युत पोलों को युद्धस्तर पर बदलकर दो दिनों के भीतर बिजली आपूर्ति पूरी तरह बहाल की जाए।

डीएम ने अधीक्षण अभियंताओं और अधिशासी अभियंताओं को प्रतिदिन प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि आपूर्ति बहाल होने के बाद सभी पोलों की ग्राउटिंग और जहां जरूरत हो वहां स्टे लगाए जाएं। ट्रांसफार्मरों को सुरक्षित रखने के लिए सुरक्षा उपकरण लगाने और पर्याप्त संख्या में ट्रांसफार्मर उपलब्ध रखने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में डीएम ने ट्रिपिंग की समस्या दूर करने, बिजली तारों का अनुरक्षण, ट्री कटिंग और जलभराव वाले क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कहीं भी करंट उतरने जैसी घटनाएं नहीं होनी चाहिए।

उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही पर सख्त नाराजगी जताते हुए डीएम ने कहा कि सभी बिजली बिल संबंधी मामलों का निस्तारण उपखंड कार्यालय स्तर पर ही सुनिश्चित किया जाए।

समीक्षा बैठक में जवाब से असंतुष्ट होने पर अधीक्षण अभियंता द्वितीय को कारण बताओ नोटिस जारी करने तथा उपखंड अधिकारी खेतासराय का वेतन अग्रिम आदेश तक रोकने के निर्देश दिए गए। डीएम ने चेतावनी दी कि अगले 15 दिनों बाद फिर समीक्षा की जाएगी और निर्देशों का पालन न होने पर कड़ी कार्रवाई होगी।

30 युवतियों को मिला प्रशिक्षण प्रमाण पत्र, निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ

◆ सखी वेलफेयर फाउंडेशन का सराहनीय प्रयास

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सखी वेलफेयर फाउंडेशन द्वारा नगर के मरदानपुर स्थित कार्यालय पर आर्थिक रूप से कमजोर युवतियों एवं महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन समारोह संपन्न हुआ।

इस दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली 30 युवतियों एवं महिलाओं को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही निशुल्क सिलाई प्रशिक्षण कार्यशाला का भी शुभारंभ किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ.ज्योति दास, विशिष्ट अतिथि वंदना सरकार, संस्थाध्यक्ष प्रीति गुप्ता तथा अन्य पदाधिकारियों द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन एवं पुष्प अर्पित कर किया गया।

मुख्य अतिथि डॉ ज्योति दास ने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना समाज के लिए प्रेरणादायक कार्य है। उन्होंने कहा कि हुनरमंद महिलाएं न केवल अपने परिवार को मजबूत बनाती हैं, बल्कि समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वहीं विशिष्ट अतिथि वंदना सरकार ने संस्था द्वारा नारी स्वावलंबन के लिए किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की।

कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही प्रतिभागियों का मूल्यांकन प्रोजेक्ट रिपोर्ट के आधार पर किया गया, जिसमें शिखा साहू ने प्रथम, नेहा शर्मा ने द्वितीय तथा श्रेयसी गुप्ता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी विजेताओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का संचालन स्वर्णिमा जायसवाल ने किया, जबकि महासचिव अर्चना सिंह ने उपस्थित अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर सरला माहेश्वरी, शीला राय, अंजु जायसवाल, दिव्या साहू, रूपम शुक्ला, दीपा साहू, शकुंतला मौर्य, सरिता निगम, संचिता बैंकर, तसनीम जैदी, सुजाता जायसवाल, कामना राय सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

पारिवारिक विवाद के चलते मृतका के अंतिम संस्कार को लेकर हुआ हंगामा, बेटी ने लगाई न्याय की गुहार

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के सारनाथ थाना के पैगंबरपुर में एक महिला के निधन के बाद उसके अंतिम संस्कार को लेकर पारिवारिक विवाद खड़ा हो गया। मृतका की बेटी अर्चना ने बताया कि उनके माता-पिता के बीच पिछले 10 वर्षों से कोर्ट में विवाद चल रहा था। अर्चना के अनुसार, कल उनकी माता ऊषा देवी का निधन हो गया, जिसके बाद मृतिका के बेटी और बेटा मिलकर अपने पिता लल्लन प्रसाद को सूचित किया और अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए कहा। हालांकि, उनके पिता इस बात के लिए तैयार नहीं हुए। अर्चना ने बताया कि वे पहली पत्नी की संतान हैं और उनके माता-पिता के बीच लंबे समय से विवाद चल रही थी, जबकि उनके पिता की दूसरी पत्नी से दो बेटियां और एक बेटा है। बेटी अर्चना का कहना है कि अब उनकी माता का अंतिम संस्कार प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से संपन्न हुआ उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि इस पूरे मामले में उन्हें न्याय दिया जाए और उनका हक दिलाया जाय।

डीआईजी वैभव कृष्ण ने की अपराध समीक्षा बैठक, माफियाओं और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक वैभव कृष्ण ने शनिवार को पुलिस लाइन सभागार जौनपुर में अपराध एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक की। बैठक में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कुँवर अनुपम सिंह की उपस्थिति में जनपद के सभी क्षेत्राधिकारी, थाना प्रभारी तथा शाखा एवं कार्यालय प्रभारी मौजूद रहे। अपराध गोष्ठी के दौरान डीआईजी ने जनपद में चिन्हित माफियाओं के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने हत्या, लूट, बलात्कार, छेड़छाड़, गोतस्करी और शराब तस्करी जैसे गंभीर अपराधों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर जोर दिया। साथ ही गृह चोरी और नकबजनी में शामिल अपराधियों की गैंगस्टर कार्रवाई एवं गैंगशीट खोलने के निर्देश भी दिए। बैठक में लंबित विवेचनाओं की समीक्षा करते हुए गुण-दोष के आधार पर समयबद्ध निस्तारण तथा वांछित अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी सुनिश्चित करने को कहा गया। महिला संबंधी अपराधों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कार्रवाई एवं गुंडा एक्ट के तहत जिलाबदर की कार्रवाई करने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए गए। डीआईजी वैभव कृष्ण ने ऑपरेशन कनविक्शन के तहत हत्या, दुष्कर्म, पॉक्सो एक्ट और लूट जैसे गंभीर मामलों में प्रभावी पैरवी कर अपराधियों को अधिक से अधिक सजा दिलाने पर बल दिया। उन्होंने जनसुनवाई के दौरान पीड़ितों की समस्याओं को शालीनता से सुनकर निष्पक्ष जांच एवं विधिक निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। इसके अलावा अवैध शराब के खिलाफ लगातार अभियान चलाने, माल मुकदमाती के निस्तारण तथा दंगा नियंत्रण को लेकर थाना प्रभारियों और पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए।

पुरुषोत्तम मास के प्रथम दिन मृत्युंजय महादेव धाम में गूंजे शिव-राम के जयकारे

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उमरछा पुरुषोत्तम मास के शुभारंभ पर मृत्युंजय महादेव धाम, उमरछा में भव्य धार्मिक आयोजनों की धूम रही। पूरे मंदिर परिसर में भगवान शिव और प्रभु श्रीराम के जयकारों से भक्तिमय वातावरण बना रहा। श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना, महामृत्युंजय जाप, रुद्राभिषेक और श्रीरामचरितमानस पाठ में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम के आयोजक एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष सुशील कुमार उपाध्याय ने कहा कि पुरुषोत्तम मास में किए गए धार्मिक कार्यों का फल अनंत होता है। इसी उद्देश्य से क्षेत्र की सुख-समृद्धि और आध्यात्मिक जागरण के लिए यह मास परायण आयोजित किया जा रहा है।

सुबह मुख्य पुरोहित पंडित अभिनव मिश्र के आचार्यत्व में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से 'ॐ नमः शिवाय' महामंत्र का सस्वर जाप किया तथा भगवान मृत्युंजय महादेव को बेलपत्र अर्पित कर विश्व कल्याण की कामना की। इसके बाद पंडित श्रेय मिश्र ने श्रीरामचरितमानस के मास परायण के प्रथम विश्राम का पाठ एवं भावपूर्ण व्याख्या प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि राम नाम का स्मरण मानव जीवन को अनुशासित और पवित्र बनाता है।

वहीं पंडित अभिनव मिश्र ने शिव पुराण के प्रथम से तृतीय अध्याय तक का महत्व बताते हुए कहा कि शिव कथा का श्रवण, कीर्तन और मनन मनुष्य को पापों से मुक्ति दिलाकर परम गति प्रदान करता है।

धार्मिक अनुष्ठानों के क्रम में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 11 माला महामृत्युंजय मंत्र का सामूहिक जाप किया गया। संध्याकाल में यजमान राजेश शुक्ल ने सपत्नीक भगवान आशुतोष का विधि-विधान से रुद्राभिषेक किया। अंत में महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

इस अवसर पर रमाशंकर उपाध्याय, शेषनाथ शुक्ल, सदानंद शुक्ल, लालसाहब शुक्ल, सतीश कुमार उपाध्याय, अशोक शुक्ल, अरविंद शुक्ल, कैलाश शुक्ल, संतोष शुक्ल, अरविंद सिंह, ओंकार विजय प्रजापति, संजय प्रजापति सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट के आदेश पर लखनऊ कोर्ट परिसर में चला बुलडोजर, 240 वकीलों के चैंबर और दुकानें ध्वस्त

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के कैसरबाग स्थित जिला एवं सिविल कोर्ट परिसर में रविवार को नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 240 अवैध चैंबरों और दुकानों पर बुलडोजर चला दिया। भारी पुलिस बल की मौजूदगी में कोर्ट परिसर से लेकर निबंधन कार्यालय तक सड़क, फुटपाथ और नाले पर बने अतिक्रमणों को ध्वस्त किया गया। यह कार्रवाई इलाहाबाद हाईकोर्ट लखनऊ बेंच के सख्त निर्देश के बाद की गई। अनुराधा सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने अवैध कब्जे हटाने का आदेश दिया था। नगर निगम ने 12 मई को ही अवैध निर्माणों पर लाल निशान लगाकर 16 मई तक कब्जा हटाने का अल्टीमेटम दिया था।

रविवार को कोर्ट बंद होने और भीड़ कम रहने के कारण प्रशासन ने सुबह 9 बजे से अभियान शुरू किया। जेसीबी मशीनों की मदद से अवैध निमार्णों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा।

इस कार्रवाई से वकीलों में भारी नाराजगी देखने को मिली। अधिवक्ताओं का आरोप है कि प्रशासन ने उन्हें पर्याप्त समय नहीं दिया और न ही कोई वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराई। वहीं नगर निगम का कहना है कि अवैध कब्जों के कारण आम लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही थी और कई बार जाम की स्थिति बन जाती थी।

प्रशासन के मुताबिक नोटिस जारी होने के बाद कुछ लोगों ने खुद ही कब्जा हटा लिया था, लेकिन बड़ी संख्या में अवैध निर्माण बने रहने के कारण यह सख्त कार्रवाई करनी पड़ी।

चोलापुर थाना क्षेत्र में हिंदू युवा वाहिनी के पूर्वी प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार उपाध्याय पर जानलेवा हमला

सवर्ण बोर्ड की मांग के लिए 17 मई को निकालनी थी पदयात्रा, कार्यक्रम से पहले है राजकुमार उपाध्याय के कार पर पथराव

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के चोलापुर थाना क्षेत्र में हिंदू युवा वाहिनी के पूर्वी प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार उपाध्याय की कार पर बाइक सवार हमलावरों ने पथराव कर दिया। शनिवार की रात जानलेवा हमले में राजकुमार उपाध्याय उर्फ राज भैया बाल-बाल बच गए। वारदात को अंजाम देकर हमलावर मौके से भाग निकले। युवा वाहिनी के पूर्वी प्रदेश अध्यक्ष पुलिस के सामने रोने लगे।राजा भैया रविवार को सवर्ण आयोग बोर्ड के गठन की मांग को लेकर पदयात्रा निकालने वाले हैं, इससे पहले ही उन पर हमला हो गया। कार्यक्रम स्थल से निकलते ही वारदात के बाद बड़ी संख्या में लोग जुट गए। संगठन के लोगों ने सुचना थाना प्रभारी चोलापुर को दी।

जानकारी पाकर चोलापुर थाना प्रभारी सधुवन राम व गोसाईपुर चौकी प्रभारी विपिन पाण्डेय भी मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। राजा भैया का आरोप था कि वे लगातार सुरक्षा मांग रहे हैं, उन्हें हत्या की आशंका है। हालांकि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जबरदस्त पथराव हुआ, बाल-बाल बचे: राजकुमार उपाध्याय ने बताया- हम यहां से जांच कर अपना सारा सेटअप करके हम यहां की हमारी गाड़ी कहां खड़ी होगी। हम वही सब देख के अपना हम निकल रहे थे और हमारे साथ में हमारा छोटा भाई बृजेश मिश्रा और गौतम मिश्रा बल्लु रहते हैं। तो उन्होंने कहा कि भैया अब इधर से चल रहे हैं तो चलिए घर से हम कपड़ा ले लें। बगल का हमारा छोटा भाई है, गौतम मिश्रा बल्लू के घर बाटी चोखा बन रहा था।तो ये बोले कि चलिए हम भी आज आप यहां स्टे कर रहे हैं, तो हम लोग भी आपके साथ सोएंगे। तो वही जा रहे थे, उनका कपड़ा लेने। आज उसका नतीजा यह है कि हमारे ऊपर इतना जबरदस्त पथराव हुआ है कि आज हमारा यह सर ना रहा होता अगर हमारी गाड़ी थोड़ी सी आगे नहीं बढ़ी होती।

जौनपुर में सामाजिक समरसता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, 22 लोग हुए सम्मानित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में 'सामाजिक समरसता में गोरक्षपीठ की भूमिका' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी एवं समरसता सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक समरसता, राष्ट्रीय एकता और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों पर वक्ताओं ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि गोरक्षपीठ सनातन धर्म और सामाजिक समरसता का प्रमुख केंद्र रहा है। उन्होंने कहा कि गोरक्षपीठ ने समाज को जोड़ने और समरसता स्थापित करने का कार्य किया है। विधान परिषद सदस्य बृजेश सिंह 'प्रिंसू' ने कहा कि संतों ने हमेशा समाज और राष्ट्र की रक्षा के लिए कार्य किया है। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने का कार्य किया है। पूर्व सांसद एवं पूर्व एमएलसी विद्यासागर सोनकर ने कहा कि सामाजिक समरसता के बिना सनातन धर्म के उद्देश्यों की पूर्ति संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए समाज का एकजुट होना आवश्यक है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक रामशीष ने कहा कि संतों ने सदैव समाज को जोड़ने का कार्य किया है और आज समाज को जातीय विभाजन से ऊपर उठकर एकता की दिशा में आगे बढ़ने की आवश्यकता है।

गुरु रविदास जन्मस्थान वाराणसी के आचार्य भारत भूषण जी महाराज ने समाज में व्याप्त भेदभाव समाप्त करने पर जोर दिया, जबकि बारीनाथ मठ के महंत योगी हरदेवनाथ जी महाराज ने समरसता को त्याग और अपनत्व का प्रतीक बताया। कार्यक्रम का आयोजन ब्लॉसम इंडिया फाउंडेशन द्वारा किया गया। समारोह के दौरान समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 22 लोगों को 'समरसता सम्मान' से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी, युवा और गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

किसानों की उर्वरक राशि में लाखों का गबन, बी-पैक्स समिति प्रभारी गिरफ्तार

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनपद के बरदह थाना क्षेत्र में किसानों के लिए आवंटित उर्वरक धनराशि के गबन मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए वांछित समिति प्रभारी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी पर सरकारी सहायता राशि में से ?3.46 लाख हड़पने का आरोप है।

पुलिस के अनुसार सहायक विकास अधिकारी (सहकारिता) द्वारा दर्ज कराई गई तहरीर में आरोप लगाया गया था कि बी-पैक्स बौआपार समिति के प्रभारी खरपत्तू चौहान ने किसानों को उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए मिली ?5 लाख की सरकारी राशि में से 3,46,009 समिति में जमा नहीं किए और धनराशि का गबन कर लिया। मामले में थाना बरदह में मुकदमा दर्ज कर पुलिस जांच कर रही थी। शनिवार सुबह अपराध एवं भ्रष्टाचार नियंत्रण अभियान के दौरान उपनिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद पटेल और उनकी टीम ने बेला खास मोड़ से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ पहले से भी कई मुकदमे दर्ज हैं। वर्ष 2020 में उस पर आपराधिक विश्वासघात का मामला दर्ज हो चुका है, जबकि विद्युत अधिनियम के तहत भी कार्रवाई हो चुकी है।

जौनपुर में दिल दहला देने वाली घटना: रेलवे ट्रैक किनारे महिला का शव मिला, पास में बिलखता मिला मासूम बच्चा

डॉ. इम्तियाज अहमद

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के जौनपुर सिटी स्टेशन रेलवे क्रॉसिंग के पास ओवरब्रिज के नीचे शनिवार देर रात एक महिला का संदिग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना ने लोगों को उस समय और भावुक कर दिया जब शव के पास करीब दो वर्षीय मासूम बच्चा रोता हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू कर दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सिटी समेत कई पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और मौके का निरीक्षण किया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रेलवे लाइन किनारे महिला का शव पड़ा था, जबकि उसके पास छोटा बच्चा लगातार रो रहा था। आसपास मौजूद लोगों ने बच्चे को संभाला और तत्काल पुलिस को सूचना दी। घटना की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। देर रात तक महिला की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस आसपास के थानों में दर्ज गुमशुदगी की रिपोर्ट के आधार पर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है। प्राथमिक जांच में मामला संदिग्ध नजर आने के बाद पुलिस हर एंगल से जांच में जुट गई है। महिला की मौत कैसे हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है और स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। फिलहाल मासूम बच्चे को पुलिस की निगरानी में सुरक्षित रखा गया है। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत और चर्चा का माहौल बना हुआ है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही पूरे मामले का खुलासा हो सकेगा।

पहली ही पोस्टिंग में SDM गिरफ्तार: 1.63 करोड़ मुआवजा घोटाले में अनुप्रीत कौर रंधावा पर शिकंजा

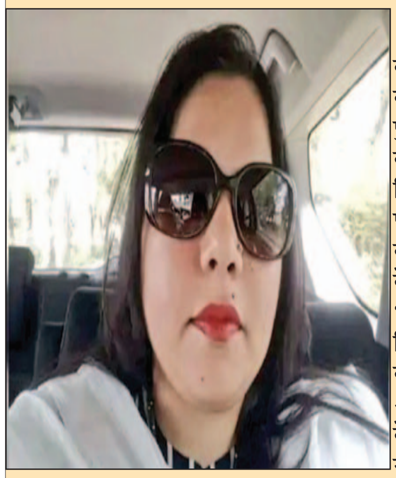

पंजाब (उत्तरशक्ति)। पंजाब के गुरदासपुर की एसडीएम अनुप्रीत कौर रंधावा को तरनतारन पुलिस ने 16 मई को बड़ी कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। उन पर राजस्थान-जम्मू कश्मीर हाईवे परियोजना के लिए वर्ष 2018 में हुए भूमि अधिग्रहण मुआवजा वितरण में करीब 1.63 करोड़ रुपये के गबन का आरोप है। जांच एजेंसियों के अनुसार, मुआवजे की रकम ऐसे लोगों के खातों में जारी की गई, जिनके नाम पर संबंधित जमीन ही नहीं थी।

मामले में वर्ष 2019 में एफआईआर दर्ज की गई थी, जिसके बाद से लगातार उच्चस्तरीय जांच चल रही थी। बताया जा रहा है कि अनुप्रीत कौर रंधावा की यह पहली प्रशासनिक पोस्टिंग थी। लेकिन पहली ही तैनाती के दौरान सामने आए इस कथित घोटाले ने प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मचा दिया। पुलिस का कहना है कि मामले में कई दस्तावेजों और वित्तीय लेनदेन की जांच की गई, जिसके बाद गिरफ्तारी की कार्रवाई की गई।

अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि इस पूरे घोटाले में और कौन-कौन लोग शामिल थे। इस कार्रवाई के बाद प्रशासनिक अधिकारियों में भी हलचल तेज हो गई है और मामले को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आने लगी हैं।

सिरकोनी में बियर का पैसा मांगने पर स्कार्पियो सवार मनबढ़ों ने सेल्समैन को पीटा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जलालपुर क्षेत्र के बंदीपुर सिरकोनी में स्थित कम्पोजिट शराब की दुकान पर शनिवार की रात को सेल्समैन को बियर का पैसा मांगने पर स्कार्पियो सवार मनबढ़ों ने पीट दिया। बीचबचाव करने गए दुकान के अनुज्ञापी पर ईंट से हमला करने का प्रयास किया। दुकान पर पथराव करके मनबढ़ भाग गए। अनुज्ञापी शुभम जायसवाल अपने सेल्समैन विनय सिंह के साथ बैठकर हिसाब कर रहे थे। उसी समय एक काले रंग की स्कार्पियो से तीन चार की संख्या में मनबढ़ युवक पहुंच गए। उन्होंने सेल्समैन से बियर मांगा। सेल्समैन ने बियर निकाल कर काउंटर पर रख दिया। एक युवक ने बियर उठा लिया। सेल्समैन को पैसा दिए जब वह जाने लगा तब सेल्समैन दुकान से बाहर निकल कर पैसा मांगने लगा।उसने सेल्समैन को पैसा भी नही दिया और थप्पड़ से मार दिया।

यह देख अनुज्ञापी शुभम जायसवाल बाहर निकलकर आ गया। उसने जब उक्त मनबढ़ युवक को रोकने का प्रयास किया तो एक युवक उसके ऊपर ईंट से हमला करने के लिए दौड़ा लिया। उसके बाद दुकान पर पथराव करते हुए स्कार्पियो लेकर धमकी देते हुए भाग गए। घटना के बाद वहां मौजुद लोगों में दहशत व्याप्त हो गयी। शुभम जायसवाल ने बताया कि बियर का पैसा मांगने पर उन लोगो ने सेल्समैन को मारा। मुझे बीचबचाव करने जाने पर ईंट लेकर दौड़ा लिया। उन लोगों ने धमकी भी दिया।

इस्कॉन खारघर से हुआ 'आध्यात्मिक क्रांति' का शंखनाद

आदेश मिश्र

नवीमुंबई। खारघर स्थित एशिया के दूसरे सबसे बड़े भव्य इस्कॉन मंदिर में आयोजित दो दिवसीय 'रीजनल यूथ प्रीचर्स कन्वेंशन' एक नए इतिहास की पटकथा लिखकर संपन्न हो गया है। देश के प्रतिष्ठित आईआईटी और नीट जैसे संस्थानों से निकले 200 केसरियाधारी ब्रह्मचारियों ने दो दिनों तक गहन मंथन कर भारतीय युवाओं को नशे, अवसाद और सांस्कृतिक पतन से बचाने के लिए एक महा-संकल्प लिया है। डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में होगी महा-हलचल कन्वेंशन के समापन पर कोर कमेटी ने जनवरी 2027 में होने वाले इस्कॉन के 60वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में एक बहुत बड़ा एलान किया है। महाराष्ट्र, गुजरात, गोवा और छत्तीसगढ़ के 60,000 युवाओं का यह ऐतिहासिक ।महा-समागम

अब नवी मुंबई के प्रतिष्ठित डी.वाई. पाटिल स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस विशाल जनसमूह को खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे।

वहीं, आधुनिक युवाओं को सनातन संस्कृति से जोड़ने के लिए देश के दिग्गज क्रिकेटर और प्रखर सनातनी विराट कोहली को इस 'युवा परिवर्तन आंदोलन' का ब्रैंड एंबेसडर बनाने का प्रस्ताव रखा गया है। डॉ. सूरदास प्रभु की अध्यक्षता में सम्मिलित सादस्य चक्रवर्ती प्रभु के नेतृत्व में वेस्ट डिवीजन की कोर कमेटी ने इस अभियान को जमीन पर उतारने के लिए बड़े पैमाने पर कार्य-विभाजन (Task Allocation) किया है। इस टीम में बलदेव प्रभु, अंतर्द्वीप प्रभु, नंददुलाल प्रभु, सुंदर चैतन्य प्रभु और अंशु प्रभु, आनंद मुरारी प्रभु, ईशान गौरांग प्रभु, संकर्षण निताई प्रभु जैसे वरिष्ठ साधुओं ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। अद्वैत चैतन्य प्रभु स्वयं इसकी प्रचार प्रसार विभाग के नेतृत्व करेंगे . विश्वविद्यालय और कॉर्पोरेट्स पर फोकस . देश के बड़े विश्वविद्यालय, कॉलेज और कॉर्पोरेट जगत इस अभियान के मुख्य केंद्र होंगे, जहाँ युवाओं को सीधे जोड़ा जाएगा। दिग्गज उद्योगपति करेंगे अगुवाई . कार्यक्रम की स्टीयरिंग कमिटी में भारत के विशेष उद्योगपति जैसे अशोक हिंदुजा (हिंदुजा ग्रुप) और शशि किरण शेट्टी (ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स) शामिल होकर इस पूरे आंदोलन की अगुवाई करेंगे. नशे के खिलाफ 'सर्जिकल स्ट्राइक'.माइंड मैनेजमेंट' और भगवद गीता पर आधारित 'डी-एडिक्शन किट' के माध्यम से युवाओं को मानसिक रूप से मजबूत बनाया जाएगा ताकि वे ड्रग्स और डिप्रेशन से पूरी तरह दूर रह सकें।

इंदौर में 2 करोड़ रुपए का फायर फाइटिंग रोबोट: जहां आदमी नहीं जा सकता, वहां जाकर बुझाता है आग

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति) इंदौर में 2 करोड़ रुपए का फायर फाइटिंग रोबोट है, जो आग बुझाने का काम करता है। ये रोबोट रिमोर्ट ऑपरेटेट है। खास बात यह है कि इसमें कैमरा भी लगा है, जिससे वह किस दिशा में जा रहा है, आगे क्या है, यह मॉनिटर पर साफ देखा जा सकता है। यह उस जगह आग बुझाने में मदद करता है, जहां एक व्यक्ति या कहे कि दमकलकर्मी का खड़े रहना भी मुश्किल हो जाता है। पिछले करीब एक महीने पहले ही यह इंदौर नगर निगम के पास आया है। यह कई जगह इस्तेमाल भी हो चुका है और आग बुझाने में काफी कारगर भी साबित हुआ है।

फायर फाइटिंग रोबोट की बात करें तो ये पूरी तरह से रिमोर्ट ऑपरेटेट है। रोबोट में दो बड़ी बैटरियां लगी हैं, जिससे यह चलता है। यह एक टैंक की तरह है, जो पथरीले रास्तों से भी आसानी से निकल जाता है।

फूलपुर में अवैध खनन का कारोबार चरम पर, प्रशासनिक कार्रवाई के बावजूद माफिया सक्रिय

फूलपुर, आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। फूलपुर तहसील क्षेत्र में अवैध खनन का कारोबार लगातार बढ़ता जा रहा है। आरोप है कि खनन विभाग की कथित मिलीभगत से नदी किनारों और गांवों में जेसीबी मशीनों से मिट्टी की अवैध खुदाई कर उसे डंपरों और ट्रैक्टर-ट्रालियों के जरिए ईंट भट्ठों तक पहुंचाया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि पीली बलुई मिट्टी की मांग बढ़ने के कारण खनन माफिया बड़े पैमाने पर मिट्टी निकालकर 2500 से 3500 रुपये तक में बेच रहे हैं। क्षेत्र के भेड़िया, पल्थी, खानजहांपुर, पलिया, कटार, चकिया, हरैया, शतुवहिया, लोनियाडीह, सरैया, पाकड़पुर, बरामदपुर, नाहरपुर, शमसाबाद और महुवारा समेत कई गांवों में अवैध खुदाई की शिकायतें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि लगातार हो रही खुदाई से पर्यावरण को नुकसान पहुंच रहा है और सरकार को लाखों रुपये के राजस्व की हानि हो रही है। हालांकि शिकायत मिलने पर राजस्व विभाग कार्रवाई करता है, लेकिन राजनीतिक दबाव और संरक्षण के चलते कई मामलों में प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पाती। इधर, उपजिलाधिकारी फूलपुर द्वारा अवैध खनन के खिलाफ सख्त रुख अपनाए जाने से खनन कारोबार से जुड़े लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। प्रशासन ने साफ कहा है कि बिना अनुमति खनन करने वालों और नियमों का उल्लंघन कर मिट्टी परिवहन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए वाहनों को सीज किया जाएगा।

पृथ्वीराज चौहान जयंती धूमधाम से मनाई गई

- नानबाबु चौहान

बलरामपुर। बलरामपुर जनपद के छपिया पिहर बाजार (थाना रेहरा बाजार) में शनिवार, 16 मई 2026 को सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 834वीं जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का आयोजन चौहान ज्वेलर्स के रामसागर चौहान द्वारा किया गया, जिसमें क्षेत्र के महिला एवं पुरुषों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। ग्राम सभा रेणडवलिया सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में पहुंचे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों ने सम्राट पृथ्वीराज चौहान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर दीप प्रज्वलित किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी। पूरे आयोजन स्थल पर ॄपृथ्वीराज चौहान अमर रहेंॄ तथा ॄजय जयकारॄ के नारों से वातावरण गूंज उठा। इस अवसर पर राम भरोसे चौहान, आर.एस.

चौहान, जैसराम, संजय चौहान, अमरजीत चौहान, महेश चौहान, बृजेश चौहान, राजेश चौहान, रिंकू चौहान और लकी चौहान सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में महिलाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी देखने को मिली। कार्यक्रम के आयोजक रामसागर चौहान ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में जागरूकता बढ़ती है और महान वीरों के आदर्शों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का अवसर मिलता है। उन्होंने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त करते हुए सम्राट पृथ्वीराज चौहान को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

अशोक तिवारी राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के जिला अध्यक्ष नियुक्त

विष्णु कांत मिश्रा

जौनपुर - (उत्तर शक्ति) अभी हाल में ही राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा पार्टी का लखनऊ में गठन किया गया। जिसमें अशोक तिवारी को जिला अध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया है। बताया जाता है कि देश में व्याप्त सनातनी सरकारों के सनातन विरोध और सवर्ण के खिलाफ चल रही साजिश एससी , एसटी जाति आधारित व्यवस्था आरक्षण और यूजीसी जैसे काले कानून से तंग आकर सिटी मजिस्ट्रेट अलंकार अग्निहोत्री जी ने पद से त्यागपत्र देकर राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा नामक राजनीतिक दल का गठन किया है जो आगामी 2027 के चुनाव में 403 सीटों पर चुनाव लड़ना सुनिश्चित किया है ।इसके विस्तार से प्रदेश में हलचल मच गया है। राष्ट्रीय

अधिकार मोर्चा ने कई जिलों में कार्यकारिणी गठित हुई है और जिला नये जिला अध्यक्षों की घोषणा की गई जिसमें जिला जौनपुर के जिला अध्यक्ष अशोक कुमार तिवारी को नियुक्त किया गया है । गैर सनातनी सरकार जो की सनातन के नाम से सत्ता में आई और सनातन को कुचलना और जाति व्यवस्था को मजबूत करने और सवर्ण समाज के बच्चों को पैदाइश अपराधी बनाने वाला युजीसी बिल पास किया उसके विरोध में इस मोर्चा का गठन हुआ है। इसके चलते सवर्ण समाज द्वारा मोर्चा को अपार जन समर्थन मिल रहा है उत्तर प्रदेश के हर जिले में जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की जा रही है। जनपद जौनपुर में अशोक तिवारी को अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया गया है । पार्टी ने इन पर भरोसा करते हुए अध्यक्ष पद पर नियुक्त किया है।

इंदौर में बढ़ रही सौर ऊर्जा को लेकर जागरूकता: महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने किया आह्वान

प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तर शक्ति)।इंदौर में स्वच्छता के साथ-साथ सौर ऊर्जा के प्रति भी तेजी से जागरूकता बढ़ रही है। रविवार को महापौर पुष्यमित्र भार्गव धेनू मार्केट इलाके में पहुंचे। यहां सफाई व्यवस्था को चेक किया। वहीं हाइड पार्क रेजिडेंस सोसाइटी के सोलर मॉडल को शहर के लिए प्रेरणादायी उदाहरण बताया।महापौर ने क्षेत्र में सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए अधिकारियों को स्वच्छता व्यवस्था को और ज्यादा प्रभावी बनाए रखने को कहा। इसके बाद उन्होंने हाइड पार्क रेजिडेंस सोसाइटी में रहवासियों के साथ मुलाकात कर शहर के विकास, स्वच्छता और ऊर्जा संरक्षण पर बात की। महापौर ने कहा शहर को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाने में लोगों की

सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इंदौर को क्लीन सिटी से सोलर सिटी बनाने का संकल्प लिया गया था, जिसकी शुरूआत 'हर घर सोलर' अभियान से की गई। 900 मेगावाट के लक्ष्य में से लगभग 100 मेगावाट क्षमता लोग खुद अपने घरों की छतों पर सोलर सिस्टम लगा रहे हैं। हाइड पार्क रेजिडेंस सोसाइटी इस दिशा में एक आदर्श उदाहरण है। सोसाइटी के सभी 35 फ्लैट मालिकों के पास व्यक्तिगत सोलर कनेक्शन है, जबकि कॉमन उपयोग के लिए भी पूरी इमारत की छत पर सोलर रूफटॉप संयंत्र स्थापित किया गया है। महापौर ने जनता से अपने घरों और बिल्डिंगों में सोलर रूफटॉप स्थापित कर बिजली बिल को शून्य करने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का आह्वान किया।

जंतर-मंतर पर आजम खान को न्याय दिलाने की मांग, सपा का विशाल धरना-प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नई दिल्ली के ऐतिहासिक जंतर-मंतर पर रविवार को समाजवादी पार्टी के नेतृत्व में वरिष्ठ नेता मोहम्मद आजम खान एवं उनके परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने किया, जबकि संचालन लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव हारिश शकील अंसारी ने किया।

धरने में देशभर से आए समाजवादी पार्टी के नेताओं, कार्यकताओं, सामाजिक संगठनों और विभिन्न वर्गों के लोगों ने भाग लिया। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि मोहम्मद आजम खान और उनके परिवार के खिलाफ राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई की गई है, जो लोकतंत्र और न्याय व्यवस्था के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। धरना समाप्त होने के बाद

महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के नाम ज्ञापन भेजा गया। ज्ञापन में मांग की गई कि आजम खान, उनके परिवार और मौलाना मोहम्मद अली जौहर यूनिवर्सिटी से जुड़े सभी मुकदमों को उत्तर प्रदेश से बाहर स्थानांतरित किया जाए ताकि निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित हो सके। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की निगरानी में विशेष जांच दल (SIT) गठित कर लगभग 350 मुकदमों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग उठाई गई।

प्रदर्शनकारियों ने रामपुर जेल में बंद मोहम्मद आजम खान और अब्दुल्लाह आजम खान को मानवीय आधार पर प्रथम श्रेणी सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग की।अपने संबोधन में मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि समाजवादी आंदोलन हमेशा अन्याय और दमन के खिलाफ संघर्ष करता रहा है। उन्होंने कहा कि आजम खान केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा और लोकतांत्रिक मूल्यों की मजबूत आवाज हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि विपक्ष की आवाज को मुकदमों और दमन के जरिए दबाने की कोशिश की गई तो यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए गंभीर खतरा होगा।

धरना-प्रदर्शन में आसिम राजा, अजय सागर, सतनाम सिंह मद्धू, डॉ. मो. नासिर खान, अशफाक हुसैन मेकरानी, लता सागर, आसिफ नियाजी, फातिमा जबीं, चौधरी चन्द्रपाल सिंह, डॉ. नईम कमरुद्दीन समेत बड़ी संख्या में नेता और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुआ, जिसमें लोगों ने संविधान और न्याय की रक्षा का संकल्प लिया।

बागेश्वर धाम से लौट रहे श्रद्धालुओं की कार हादसे का शिकार, एक ही परिवार के 5 लोगों की दर्दनाक मौत

हमीरपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में रविवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। हादसा मौदहा कोतवाली क्षेत्र में नेशनल हाईवे-34 पर छिरका और मवइया गांव के बीच दोपहर करीब 1 बजे हुआ, जब बागेश्वर धाम से दर्शन कर लौट रही अर्टिगा कार तेज रफ्तार डंपर से टकरा गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कानपुर निवासी श्रद्धालु परिवार बागेश्वर धाम में दर्शन कर वापस घर लौट रहा था। इसी दौरान सामने से आ रहे डंपर ने उनकी कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे में नरेंद्र (55), उनकी पत्नी रेखा (52), राजकपूर (57), उनकी पत्नी मीना (54) तथा चालक आयुष चौहान (25) की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक दंपति एक ही परिवार के सदस्य बताए जा रहे हैं।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद स वाहन में फंसे शवों को बाहर निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।